दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री

गुरुवार 10 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :31 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 23 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 पत्रकारिता की नाक कटाने पर तुला 'गोदी मीडिया'

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 265 | गाजियाबाद, गुरुवार 10 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm Cred PhonePe Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900 ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

यमन में भारतीय नर्स की फांसी रुकवाए सरकार : माकपा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। माकपा के सांसद जॉन ब्रिटास ने बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर उनसे यमन में शीर्ष श्तर के अधिकारियों से संपर्क कर भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी रुकवाने का आग्रह किया। पत्र में ब्रिटास ने कहा है कि निमिषा की फांसी 16 जुलाई को तय की गई है। सांसद ने लिखा कि फांसी की दुखद खबर से उसके परिवार और शुभचिंतकों में व्यापक चिंता और पीड़ा है। ब्रिटास ने भारत सरकार से पीड़ित के परिवार, कबायली नेताओं और स्थानीय हितधारकों के साथ बातचीत को सुगम बनाने और मध्यस्थता करने का आह्वान किया। 2020 में यमन की अदालत ने प्रिया को मौत की सजा सुनाई और उस देश की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में उसकी अपील खारिज कर दी। प्रिया वर्तमान में ईरान समर्थित हूतियों के नियंत्रण वाली यमन की राजधानी सना की जेल में बंद है।

शिवकुमार ने दिल्ली में प्रियंका गांधी से मुलाकात की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से उनके आवास पर मुलाकात की। इससे राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को बल मिला है। यह मुलाकात ऐसी खबरों के बीच हुई है कि शिवकुमार पार्टी के भीतर एक समझौते के आधार पर मुख्यमंत्री पद के लिए दबाव बना रहे हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद शिवकुमार और वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद की व्यवस्था की बात कही जा रही है। हालांकि, दोनों नेताओं ने सार्वजनिक रूप से इस तरह के किसी भी औपचारिक समझौते से इनकार किया है।

टीबी जांच के लिए 1500 और हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन खरीदेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय तपेदिक (टीबी) के खिलाफ लड़ाई को और तेज करने के लिए जल्द ही 1,500 हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीनें खरीदेगा। इन मशीनों से बड़े पैमाने पर जांच और पीड़ितों का पता लगाया जा सकेगा। देश भर के जांच केंद्रों पर लगभग 500 ऐसी एक्स-रे मशीनें पहले से ही हैं। सरकार के इस बीमारी को जड़ से खत्म करने के प्रयासों के तहत देश भर में 46 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गई हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया भौगोलिक रूप से छोटे राज्यों की तुलना में उत्तराखंड में टीबी के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। 2025 तक टीबी उन्मूलन का भारत का लक्ष्य दुनिया के सबसे महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य मिशनों में से एक है।

'उदयपुर फाइल्स' के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय ने हिंदी फिल्म 'उदयपुर फाइल्सः कन्हैयालाल लाल टेलर मर्डर' की रिलीज के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने मोहम्मद जावेद की याचिका पर तत्काल विचार करने से इनकार किया, लेकिन उनकी ओर से पेश अधिवक्ता से कहा कि वो 14 जुलाई को (गर्मी की छुट्टियों के बाद) अदालतें फिर से सामान्य रूप से खुलने पर मामले का उल्लेख कर सकते हैं। जावेद उदयपुर के 2022 को कन्हैया लाल तेली हत्याकांड के आरोपियों में शामिल है। उसने 11 जुलाई को रिलीज के लिए तैयार इस फिल्म पर रोक लगाने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में एक रिट याचिका दायर की है।

ट्रेन यूनियनों के भारत बंद का मिलाजुला असर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ 10 विपक्षी ट्रेड यूनियनों के भारत बंद का मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां पश्चिम बंगाल और केरल जैसे विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में इस बंद का ज्यादा असर देखने को मिल रहा। वहीं भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों में बंद का कोई खास असर नहीं दिख रहा है।

बंद में बैंक, बीमा, डाक, कोयला खदान, राजमार्ग और बुनियादी अवसंचना जैसे क्षेत्रों के लगभग 25 करोड़ कर्मचारी इसमें शामिल हैं। कोलकाता में वामपंथी दलों के यूनियन ने जादवपुर में पैदल मार्च निकालकर 'भारत बंद' में भाग लिया।

ट्रेड यूनियनों का आरोप है कि केंद्र सरकार ऐसे आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है जो श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करते हैं। ट्रेड यूनियों के अनुसार सरकारी विभाग में युवाओं को नौकरी देने के बजाय सेवानिवृत्त लोगों को रखा जा रहा है। उन्होंने रेलवे, नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एमडीएमसी) लिमिटेड, स्टील सेक्टर और शिक्षा सेवाओं के उदाहरण दिए हैं। ट्रेड यूनियनों कहना है कि देश में 65 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम उम्र की है और 20 से 25 साल के युवा सबसे ज्यादा बेरोजगार हैं। भारत बंद में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (आईएनटीयूसी), ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी), हिंद मजदूर सभा (एचएमएस), सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू), ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर (एआईयूटीयूसी), ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी), सेल्फ एम्प्लॉयड वीमेंस एसोसिएशन (सेवा), ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (एआईसीसीटीयू), लेबर प्रोग्रेसिव फेडरेशन (एलपीएफ) और यूनाइटेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस (यूटीयूसी) शामिल है।

पश्चिम बंगाल में प्रदर्शकारियों ने ट्रेनें रोकीं 20 लोग गिरफ्तार

वेबवार्ता. कोलकाता। पश्चिम बंगाल में वामपंथी दलों और उससे संबद्ध ट्रेड यूनियनों के भारत बंद के दौरान बुधवार को ट्रेनों के परिचालन को बाधित किया गया, हिंसक घटनाएं हुयीं और 20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया।

दस ट्रेड यूनियनों ने केंद्र सरकार पर श्रमिक-विरोधी और किसान-विरोधी नीतियों को लागू करने का आरोप लगाकर भारत बंद का आह्वान किया है, जिसका राज्य में व्यापक असर देखने को मिल रहा है। बंद के कारण सार्वजनिक परिवहन में भारी व्यवधान हुआ।

गुजरात : महिसागर नदी पर गंभीरा पुल गिरा, 12 की मौत

✷ वेबवार्ता. वडोदरा ✷

गुजरात में वडोदरा जिले के पादरा क्षेत्र में बुधवार को महिसागर नदी पर बना गंभीरा पुल के अचानक ढहने से करीब 12 की मौत हो गई और कई लोगों की मौत हो गई। घटना में नौ लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। इनमें से पांच को नजदीक के एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस निरीक्षक विजय चरण ने बताया कि वडोदरा-आणंद को जोड़ने वाले गंभीरा पुल का एक हिस्सा आज सुबह अचानक ढह गया जिससे वहां से गुजर रहे चार वाहन नदी में गिर गए। अब तक तीन लोगों के शव नदी से बाहर निकाले गए हैं और अन्य चार लोगों को बचा लिया गया है। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पायी है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति सांत्वना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिवारों के लिए दो-दो लाख और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की मदद का एलान किया। वडोदरा कलेक्टर अनिल धमेलिया ने बताया कि महिसागर नदी पर मध्य गुजरात को सौराष्ट्र क्षेत्र से जोड़ने वाले गंभीरा पुल का 10 से 15 मीटर का एक स्लैब ढह गया। छह वाहन, जिनमें दो ट्रक, दो वैन, एक ऑटोरिक्शा और एक बाइक नदी में गिर गए। दो अन्य वाहन भी गिरने ही वाले थे कि उन्हें खींचकर बचाया गया। बाइक पर सवार तीन लोग खुद तैरकर बाहर

वायु सेना का जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान बुधवार दोपहर राजस्थान के चुरू के पास दुर्घटनाग्रश्त हो गया, दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गयी। वायु सेना ने कहा है कि यह विमान नियमित प्रशिक्षण उडान के दौरान दुर्घटनाग्रश्त हो गया। दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गयी। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच समिति गठित की गई है।

वायु सेना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा , " भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान आज राजस्थान के चुरू के पास नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रश्त हो गया।

इस दुर्घटना में दोनों पायलटों की मौत हो गयी। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुँचा है। भारतीय वायुसेना इस दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करती है और इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है।"

इस विमान ने सूरतगढ एयरबेस से उडान भरी थी। इस वर्ष जगुआर विमान की यह तीसरी दुर्घटना है। इससे पहले मार्च और अप्रैल में भी एक-एक जगुआर विमान दुर्घटनाग्रश्त हुआ था।

दो ईंजन वाले इस लड़ाकू विमान को वर्ष 1970 में वायु सेना के बेड़े में शामिल किया गया था।

दुनिया के अनेक देशों की वायु सेनाओं ने इन विमानों को अपने बेड़े से बाहर कर दिया है लेकिन भारतीय वायु सेना अभी भी इस लड़ाकू विमान का इश्तेमाल कर रही है।

मोदी पाँच देशों की सफल यात्रा के बाद स्वदेश रवाना

✷ वेबवार्ता. विंडहोक ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की सफल यात्रा के बाद आज स्वदेश रवाना हो गए। श्री मोदी घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और नामीबिया की राजकीय यात्रा पर थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहाः 'पांच देशों घाना , त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और नामीबिया की अत्यंत सफल और लाभकारी यात्रा पूरी हुई , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नयी दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।' इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने नामीबिया की संसद को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किए जाने पर आभार व्यक्त किया।

उन्होंने अपने संबोधन में इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत और नामीबिया मज़बूत लोकतांत्रिक आदर्शों और मूल्यों को साझा करते हैं। उन्होंने नामीबिया के संस्थापक डॉ. सैम नुजोमा की विरासत को याद किया और कहा कि भारत तथा नामीबिया ऐतिहासिक संबंधों के केंद्र में दोनों देशों के लोग हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा, 'भारत-नामीबिया साझेदारी के भविष्य के लक्ष्य की रूपरेखा तैयार करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत नामीबिया के साथ कंधे से कंधा मिलाकर और ग्लोबल साउथ के साथ एकजुटता से चलेगा।' प्रधानमंत्री को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ़ द मोस्ट एंशिएंट वेल्विच्चिया मिराबिलिस' से भी सम्मानित किया गया। वह यह पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय नेता हैं। श्री मोदी दो जुलाई को पाँच देशों की राजकीय यात्रा पर गए थे।

भारत-ब्राजील द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर पहुंचायेंगे : मोदी

✷ वेबवार्ता. ब्रासीलिया/नई दिल्ली ✷

भारत और ब्राजील ने हर क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने तथा अगले पाँच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार देर रात यहां ब्राजील के राष्ट्रपति लूला द सिल्वा के साथ मुलाकात के बाद संयुक्त वक्तव्य में यह बात कही। राष्ट्रपति लूला को भारत और ब्राजील सामरिक साझेदारी का पक्षधर बताते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों को प्रगाढ़ करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा , " आज की चर्चाओं में हमने हर क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने पर बात की। हमने आने वाले पाँच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस साल वायु सेना के पांच विमान क्रैश हुए सिर्फ 4 महीने में 3 जगुआर दुर्घटनाग्रस्त

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राजस्थान के चूरू में बुधवार को दुर्घटनाग्रश्त हुए जगुआर फाइटर प्लेन को मिलाकर इस साल अब तक वायु सेना के पांच विमान क्रैश हो चुके हैं।

सिर्फ 4 महीने में 3 जगुआर जेट क्रैश हुए हैं। ये घटनाएं पुराने जगुआर बेड़े और इसकी परिचालन सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। माना जा रहा है कि चूरू में क्रैश हुआ विमान डेरिन-III अपग्रेडेड वेरिएंट है। इसके अलावा लड़ाकू विमान मिराज और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट एएन-32 भी इसी साल दुर्घटनाग्रश्त हुआ है।

इस साल वायु सेना के फाइटर प्लेन दुर्घटनाग्रश्त होने की पहली घटना मध्यप्रदेश के शिवपुरी के पास हुई थी। ग्वालियर एयर बेस से 6 फरवरी को रूटीन फ्लाइंग के लिए उड़ान भरने वाला मिराज-2000 दुर्घटना का शिकार हो गया था। यह एयरक्राट मिराज का ट्रेनर वर्जन था। इस घटना में दोनों पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। इसी साल 7 मार्च को वायु सेना के 2 विमान हादसे हुए। एक घटना हरियाणा में हुई तो दूसरी पश्चिम बंगाल के बागडोगरा में हुई। हरियाणा में तकनीकी खराबी के बाद जगुआर को दुर्घटना का शिकार होना पड़ा।

इस एयरक्राफ्ट ने अंबाला एयर बेस से उड़ान भरी थी। उड़ान के कुछ देर बाद ही फाइटर प्लेन पंचकूला के पास दुर्घटनाग्रश्त हो गया था। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान को आबादी वाले इलाके से दूर ले जाकर क्रैश कराया, जिससे किसी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई।

लक्ष्य 25 नवंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा शुरू करने की योजना है

जेवर से तय समय पर उड़ान सेवा शुरू करने के लिए तेजी से पूरे करने होंगे काम

◆ मौजूदा समय में भी एयरपोर्ट पर यात्री सुविधा, सुरक्षा से लेकर कार्गो प्रबंधन से जुड़े कई काम बाकी ◆ सभी कार्यों को पूरा होने के बाद जारी होगी जीडीसीए द्वारा जारी किया जाएगा लाइसेंस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान सेवा शुरू करने के लिए 15 सितंबर की समय-सीमा तय की है। सबसे पहले घरेलू और कार्गो उड़ान सेवा शुरू होगी।

उसके बाद 25 नवंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा शुरू करने की योजना है लेकिन तय समय पर उड़ान सेवा शुरू करने के लिए बचे हुए काम तेजी से पूरे करने होंगे। क्योंकि तय समय पर उड़ान सेवा शुरू करने को लेकर कई सारी अनिश्चितताएं हैं।

अभी तक एयरपोर्ट पर कई अहम कार्य बचे हैं, जिनके पूरा किए बैगर उड़ान सेवा को शुरू नहीं किया जा सकता है। खासकर यात्रियों से जुड़ी सुविधा, सुरक्षा और समश्त एयरपोर्ट की सुरक्षा के नजरिए से कई अहम कार्य होने बाकी हैं।

मानकों के हिसाब से किसी भी एयरपोर्ट पर उड़ान सेवा शुरू करने से पहले ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) से सुरक्षा संबंधी मंजूरी लेनी होती है।

यह मंजूरी तभी प्रदान की जाती है, जब बीसीएएस यह सुनिश्चित कर लेता है कि एयरपोर्ट परिसर पूरी तरह से कवर है और प्रवेश और निकासी की समूचित व्यवस्था है।

यात्रियों और सामान की जांच करने के लिए एयरपोर्ट परिसर पर पुख्ता इंतजाम किए गए है। अग्निशमन से लेकर अन्य तरह की व्यवस्थाओं को भी देखा जाता है। सूत्रों का कहना है कि अभी जेवर एयरपोर्ट पर काफी काम बचा है। कार्य भले ही अंतिम चरण में हो, लेकिन जिस तरह के काम बचे हैं, उन्हें पूरा करने में चार से पांच महीने का वक्त लगता है। कई बार उससे भी ज्यादा समय लग जाता है। ऐसे में जब काम पूरा होगा तो उसके बाद बीसीएएस द्वारा सुरक्षा संबंधी मंजूरी प्रदान की जाएगी।

एरोड्रम लाइसेंस भी मिलना बाकी

उड़ान सेवा शुरू करने से पहले नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से भी एरोड्रम लाइसेंस भी लेना होगा है। यह हवाई अड्डे के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण दश्तावेज है।

क्योंकियह लाइसेंस हवाई अड्डे को नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार संचालित करने की अनुमति देता है। डीजीसीए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के साथ मिलकर हवाई अड्डे के लाइसेंसिंग की प्रक्रिया को संभालता है। जब कोई एयरपोर्ट तैयार होता है तो फिर डीजीसीए में लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाता है।

उसके बाद डीजीसीए की टीम हवाई अड्डे का निरीक्षण करती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह सभी सुरक्षा और परिचालन मानकों को पूरा किया गया है। यह प्रक्रिया भी अभी आरंभिक दौर में है।

नवी मुंबई एयरपोर्ट जेवर से आगे

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से जुड़े एक अधिकारी बताते हैं कि नवी मुंबई में काफी तेजी से काम चल रहा है। कई चरण में उसका काम जेवर एयरपोर्ट से आगे है। इसलिए संभावना है कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जेवर से पहले शुरू हो सकता है। उसकी लाइसेंस से जुडी प्रक्रिया भी काफी एडवांस स्टेज में पहुंच चुकी है।

बढ़ रही जेवर एयरपोर्ट की समय सीमा

जेवर एयरपोर्ट से उड़ान सेवा शुरू करने की समय-सीमा लगातार बढ़ाई जा रही है। पहले अप्रैल में उड़ान सेवा शुरू करने का लक्ष्य रखा गया।

उसके बाद जून से उड़ान सेवा शुरु करने की बात कही गई। अब बीते दिनों उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट से सितंबर में घरेलू उड़ानों और कार्गो सेवाओं की शुरुआत होगी।

संक्षिप्त समाचार

एसएसबी जवान ग्रेटर नोएडा में छात्रों को बेचता था ड्रग्स, यूपी पुलिस ने 3 साथियों संग दबोचा

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक जवान को चार साथियों के साथ ड्रग्स तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी ग्रेटर नोएडा में छात्रों को ड्रग्स सप्लाई करते थे। इनके पास से करीब 25 लाख रुपये कीमत की ड्रग्स बरामद की गई है। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि छात्रों को एमडीएमए ड्रग्स की सप्लाई की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम ने सूचना के आधार पर सोमवार की रात गुर्जरपुर रेलवे अंडरपास के पास से चार आरोपियों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान खुर्शेदपुरा गांव निवासी रोहित कुमार, कृष्ण व लवकुश और बीरपुरा गांव निवासी नकुल के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 600 ग्राम ड्रग्स बरामद की है। इसकी बाजार में कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है। एसएसबी का आरोपी जवान रोहित कुमार, नॉलेज पार्क के एक कॉलेज में लैब टेक्नीशियन के पद पर नौकरी करने वाले नकुल के साथ मिलकर छात्रों को ड्रग्स बेचता था। साइबर कैफे संचालक और परचून की दुकान चलाने वाले इनके साथी भी ड्रग्स के इस धंधे में शामिल थे। तीन आरोपी एक ही गांव के रहने वाले - एसएसबी का जवान रोहित इस गैंग का मुख्य सरगना है। नकुल नॉलेज पार्क स्थित एक कॉलेज में लैब टेक्नीशियन के पद पर नौकरी करता है। वहीं, कृष्ण गांव में परचून की दुकान और लवकुश तेवतिया साइबर कैफे संचालक है। रोहित, कृष्ण और लवकुश एक ही गांव के रहने वाले है। रोहित जम्मू-कश्मीर से ड्रग्स लाता था, जबकि अन्य तीनों उसे ग्रेटर नोएडा में बेचते थे। ड्रग्स बेचने से होने वाली कमाई को सभी आरोपी आपस में बांट लिया करते थे। पुलिस की अभी तक की जांच में पता चला है कि आरोपी जवान रोहित करीब ढाई महीने पहले छुट्टी लेकर आया था। इसके बाद से वह ड्यूटी पर वापस नहीं लौटा। बताया जा रहा है कि उसने पैर टूटने की बात बताकर मेडिकल लगा रखा था। इसके बाद से वह गैर हाजिर चल रहा था। पुलिस ने आशंका जाहिर की है कि आरोपी जवान जिस ड्रग्स को लेकर आया है, यह बॉर्डर पर पकड़ी गई थी। गोपनीय विभाग ने इस मामले में गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।

सहेली स्मार्ट कार्ड बनवाने के लिए दिल्ली का निवासी होना अनिवार्य

नईदिल्ली, एजेंसी। डीटीसी की ओर से शुरू की जा रही योजना के तहत दिल्ली की महिला और ट्रांसजेंडर निवासियों को एक व्यक्तिगत सहेली स्मार्ट कार्ड प्रदान किया जाएगा। कार्ड के आवेदन के दौरान महिलाओं को अपना दिल्ली का वैध निवास प्रमाण पत्र देना होगा। महिलाओं को जारी होने वाले सहेली स्मार्ट कार्ड में कार्डधारक का नाम और फोटो अंकित होगा। इस कार्ड के माध्यम से वह डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। साथ ही, इसे रिचार्ज कर अन्य सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो आदि में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा, हालांकि अन्य परिवहन सेवाओं के लिए किराये का भुगतान करना होगा। सहेली स्मार्ट कार्ड का फायदा 12 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए होगा। दिल्ली की महिलाओं को सहेली स्मार्ट कार्ड बनवाने के लिए दिल्ली का आधार कार्ड, पैन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ और केवाईसी के लिए अन्य वैध दस्तावेज देने होंगे। दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बसों के लिए स्मार्ट कार्ड की शुरुआत 15 अगस्त तक करने का लक्ष्य रखा गया है। एक बार निविदा प्रक्रिया खत्म होने और बैंकों का चयन होने के बाद डीटीसी के पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा शुरू हो जाएगी। कार्ड जारी होने के बाद उसे डीटीसी के ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम के जरिए एक्टिवेट करना होगा। डीटीसी अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट कार्ड पुरुष यात्रियों को भी जारी होगा। क्योंकि यह मुफ्त यात्रा की श्रेणी में नहीं आते है तो उन्हें एक सामान्य कार्ड बिना किसी केवाईसी प्रक्रिया के उपलब्ध होगा, जिसका उपयोग बसों सहित अन्य परिवहन सेवाओं में किया जा सकेगा। यह एक कॉन्टेक्ट लेस कॉमन नेशनल मोबिलिटी कार्ड होगा। इसके जरिए आप ना सिर्फ बस में बल्कि मेट्रो, नमो भारत के अलावा देश के दूसरे राज्यों में जहां एनसीएमसी कार्ड की सुविधा है वहां इसका प्रयोग कर पाएंगे। हालांकि वहां आप को किराया देना होगा। डीटीसी व क्लस्टर बसों में मुफ्त सफर की सुविधा मिलेगी। बस के अलावा दूसरे सार्वजनिक परिवहन में किराया देना होगा।

आलिया भट्ट की एक्स-पीए वेदिका प्रकाश शेट्टी गिरफ्तार, एक्ट्रेस के खाते में धांधली का आरोप

मुंबई, एजेंसी। आलिया भट्ट की पर्सनल असिस्टेंट रहीं वेदिका प्रकाश शेट्टी को मुंबई की जुहू पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वेदिका पर भट्ट प्रोडक्शन्स और आलिया भट्ट के खाते से लाखों रुपये की हेरा फेरी करने का आरोप है। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है और इस मामले में अभी तक आलिया भट्ट या उनकी टीम की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। आलिया का प्रोडक्शन हाउस इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड साल 2021 में आलिया भट्ट ने लॉन्च किया था। इसका मुख्य फोकस खुशमिजाज फिल्में प्रोड्यूस करना था जिनकी कहानियां ऑरिजनल और लंबे वक्त तक लोगों को पसंद आने वाली हों।

एक्ट्रेस के खातों में 76 लाख की हेरा-फेरी वेदिका प्रकाश शेट्टी पर 2023 से 2025 के बीच प्रोडक्शन हाउस और आलिया भट्ट के खाते में 76 लाख रुपये की हेरा-फेरी करने का आरोप है। आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने पैसों की हेरा-फेरी के मामले में इसी साल फरवरी में शिकायत दर्ज करवाई थी। तब एफआईआर दर्ज करके मामले की पड़ताल शुरू कर दी गई थी। न्यूज18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने वेदिका को बेंगुलुरू में ट्रैक किया और वहीं से उनकी गिरफ्तारी हुई। अब पुलिस वेदिका के बैंक खाते और फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन्स खंगाल रही है ताकि मामले की तह तक पहुंचा जा सके।

वेदिका दो साल तक आलिया के साथ काम करती रही थीं। हल्की फुल्की कहानियों पर फिल्में बनाने के लिए फॉर्म किए गए इस प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म डार्लिंग्स थी, जिसे जनता ने खूब प्यार दिया। आलिया भट्ट ने इस फिल्म को शाहरुख खान के रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया था। फिल्म में आलिया भट्ट के अलावा विजय वर्मा और शेफाली शाह अहम किरदार निभाते नजर आई थीं। घर-घर की कहानी को एक अलग ही ट्विस्ट देती इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट अभी स्पाय यूनिवर्स मूवी अल्फा की शूटिंग में बिजी है। फिल्म में आलिया भट्ट के अलावा शरवरी वाघ भी लीड रोल प्ले करती नजर आएंगी। रिलीज डेट की बात करें तो यह फिल्म दिसंबर में क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इसके अलावा आलिया भट्ट अपने पति रणबीर कपूर के साथ संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में भी नजर आएंगी। फिल्म में आलिया-रणबीर के अलावा विकी कौशल भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। आलिया की रणबीर के साथ पिछली फिल्म ब्रह्मास्त्र थी जिसमें वह पहली बार रणबीर के साथ पर्दे पर नजर आईं।

हिमाचल में बाढ़ से तहस-नहस हुआ बैंक; मलबे में दबी अंदर रखी लाखों रुपए की नगदी

मंडी, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सराज विधानसभा क्षेत्र के थुनाग उपमंडल में 30 जून की रात बादल फटने से आई विनाशकारी बाढ़ ने पूरे क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। इस भीषण बारिश से जहां लोगों के घर, गौशालाएं, खेत और बाग-बगीचे बर्बाद हो गए, वहीं सरकारी दफ्तर और संस्थान भी इसकी चपेट में आ गए हैं। थुनाग बाजार में स्थित हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक के भवन को भी इस बाढ़ ने भारी नुकसान पहुंचाया है। बैंक की निचली मंजिल में पानी और मलबा भर गया, जिससे वहां रखा कैश, रिकॉर्ड और अन्य सामान मलबे में दब गया है। बैंक की ऊपरी मंजिल में भी पानी घुसने से लाखों रुपए की नकदी और दस्तावेजों को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि यह बैंक उनके लिए बहुत जरूरी था और वे रोजाना के लेन-देन इसी बैंक के जरिए करते थे। कई ठेकेदारों और स्थानीय लोगों के खाते भी इसी शाखा में हैं, जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। उधर राज्य सहकारी बैंक के असिस्टेंट जनरल मैनेजर पंकज शर्मा ने बताया कि खाताधारकों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि बैंक की तिजोरी में रखा लगभग 39 लाख रुपए की नगदी पूरी तरह से सुरक्षित है। हालांकि सेफ (तिजोरी) जरूर मलबे की जद में है, लेकिन उसके अंदर रखा कैश सुरक्षित है। केशव नायक ने बताया कि थुनाग शाखा में बाढ़ से नकदी और कागजात जरूर खराब हुए हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में जो बताया जा रहा है कि बैंक में रखी ज्वैलरी भी खराब हो गई, यह बात पूरी तरह से गलत है। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि चूंकि इस शाखा में लॉकर की सुविधा ही नहीं है, इसलिए ज्वैलरी खराब होने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने मीडिया से अपील की है कि ऐसी भ्रामक खबरें न फैलाएं।

राजस्थान में उद्घाटन से पहले ही बह गई नई सड़क, भारी बारिश के बाद कटली नदी में उफान

झुंझुनू, एजेंसी। राजस्थान के झुंझुनू जिले में एक नई बनी स्टेट हाइवे, जो उद्घाटन की बाट जोह रही थी, कटली नदी के उफान में बह गई। भारी बारिश के बाद नदी का जलस्तर बढ़ा और तेज बहाव ने सड़क का बड़ा हिस्सा अपने साथ ले गया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी वायरल है।

रविवार को झुंझुनू के उदयपुरवाटी इलाके में मौसम ने करवट ली। मौसम विभाग के मुताबिक, इस क्षेत्र में 86 मिमी बारिश दर्ज की गई। कटली नदी, जो सीकर, झुंझुनू और चूरू जिलों से होकर गुजरती है, भारी बारिश के बाद उफान पर आ गई। उदयपुरवाटी के बघुली क्षेत्र में नदी का तेज बहाव इतना प्रबल था कि नई बनी सड़क उसकी चपेट में आ गई।

स्थानीय लोगों के लिए यह घटना किसी तमाशे से कम नहीं थी। बघुली और जहाज गांव के लोग सड़क के बहने का नजारा देखने के लिए दौड़े। कई लोगों ने इस घटना के वीडियो बनाए, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। एक वीडियो में दिखा कि सड़क का हिस्सा ढहने के साथ ही एक बिजली का खंभा भी नदी में समा गया। यह दृश्य देखकर लोग हैरान रह गए।

यह स्टेट हाइवे छह महीने पहले बनाया गया था, जो बघुली और जहाज को नेशनल हाइवे 52 से जोड़ता है। यह हाइवे झुंझुनू और सीकर की कनेक्टिविटी के लिए अहम था। लेकिन, उद्घाटन से पहले ही सड़क का इस तरह बह जाना निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रहा है। लोक निर्माण विभाग की एक टीम जल्द ही इस सड़क का निरीक्षण करेगी और अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। कटली नदी बारिश के दिनों में ही उफान पर आती है। हाल के वर्षों में इस नदी के आसपास अतिक्रमण और अवैध रेत-बजरी खनन बढ़ा है। राज्य प्रशासन ने कुछ समय पहले नदी को अतिक्रमण और अवैध खनन से मुक्त कराने के लिए अभियान भी चलाया था। लेकिन, इस घटना ने एक बार फिर नदी के संरक्षण और सड़क निर्माण की योजना पर ध्यान खींचा है।

एशिया की सबसे बूढ़ी हथिनी वत्सला की मौत, कितनी थी उम्र, क्या थी मौत की वजह?

भोपाल, एजेंसी। एशिया की सबसे बुजुर्ग हथिनी मानी जाने वाली वत्सला की मंगलवार को मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व में मौत हो गई। वत्सला की उम्र 100 साल से अधिक बताई जाती है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हथिनी को केरल से नर्मदापुरम लाया गया था और बाद में पन्ना टाइगर रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया गया था। एक बयान में कहा गया, वत्सला को एशिया की सबसे बुजुर्ग हथिनी माना जाता था। पन्ना टाइगर रिजर्व के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उसका अंतिम संस्कार किया। सालों से वत्सला पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र थी और सबसे बुजुर्ग होने के कारण वह रिजर्व में हाथियों के पूरे समूह का नेतृत्व करती थी। जब अन्य हथिनी बच्चों को जन्म देती थीं, तो वह दादी की भूमिका निभाती थी। वत्सला अपने अगले पैरों के नाखूनों में चोट लगने के कारण रिजर्व के हिनौता क्षेत्र में खैरैया नाले के पास बैठ गई थी। वन विभाग के कर्मियों ने उसे उठाने का काफी प्रयास किया, लेकिन दोपहर में हथिनी की मौत हो गई। वृद्धावस्था के कारण

वत्सला की आंखों की रोशनी चली गई थी और वह लंबी दूरी तक चलने में असमर्थ थी। बयान में कहा गया है कि उसे हिनौता हाथी शिविर में रखा गया था और प्रतिदिन खैरइयां नाले में नहलाने के लिए ले जाया जाता था और खाने के लिए दलिया दिया जाता था। पन्ना जिले के बाघ अभयारण्य में पशु चिकित्सकों और वन्यजीव विशेषज्ञों द्वारा वत्सला के स्वास्थ्य की नियमित जांच की जा रही थी। उचित देखभाल के कारण वत्सला ने अभयारण्य के विरल और शुष्क वन क्षेत्र में लंबा जीवन जिया। हथिनी को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वत्सला का सदियों पुराना साथ छूट गया। दोपहर वत्सला ने पन्ना टाइगर रिजर्व में अंतिम सांस ली। वे हमारे वनों की मूक संरक्षक, पीढ़ियों की मित्र और मध्य प्रदेश की भावनाओं की प्रतीक थीं। टाइगर रिजर्व की इस प्यारी सदस्य की आंखों में अनुभवों का सागर और उनकी उपस्थिति में गर्मजोशी थी।

कांवड़ यात्रा: 10 जुलाई की रात 12 बजे से यूपी के इन हाईवे पर नहीं दौड़ेंगे भारी वाहन

बागपत, एजेंसी। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पुलिस ने रूट डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। जिसके अनुसार जनपद में दूसरे राज्य व पड़ोसी जनपदों से आने वाले भारी और कमर्शियल वाहन 10 जुलाई की रात 12 बजे से 24 जुलाई की दोपहर 12 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगे। 15 जुलाई की रात 12 बजे से हल्के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया जाएगा। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर ककड़ीपुर से डूंडाहेड़ा चेक पोस्ट तक 51 कट बंद किए जाएंगे। ककड़ीपुर, निवाड़ा, भड़ल, डूंडाहेड़ा, बालैनी हिंडन आदि चौकियों पर बैरियर लगाकर वाहनों को रोका जाएगा।

टीआई सतेंद्र सिंह ने बताया कि 23 जुलाई को मुख्य पर्व शिवरात्रि को मंदिर परिसर में कांवड़ियों की संख्या बढ़ने के दृष्टिगत आवश्यकता पड़ने पर बुढ़सैनी, नवादा, बालैनी मार्ग को कंटेंजेंसी मार्ग रूट के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

यातायात पुलिस हेल्पलाइन नंबर 9012668666 है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा की ओर जाने वाला यातायात निर्धारित अवधि में शामली से करनाल, पानीपत, सोनीपत एनएच-1 होते हुए अपने गंतव्य पर पहुंचेगा। इसी तरह दिल्ली, गाजियाबाद, बुलंदशहर व नोएडा से बागपत की और आने वाला यातायात मवीकलां ईपीई कट से जनपद में आगमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर सोनीपत, पानीपत, करनाल होते हुए अपने गंतव्य पर भेजा जाएगा। बागपत से मेरठ की ओर जाने वाला यातायात निर्धारित अवधि में बागपत के राष्ट्र वंदना चौक से मवीकलां कट ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से अपने गंतव्य पर पहुंचेंगे। इसी तरह मेरठ से हरियाणा की ओर जाने वाला यातायात ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से सोनीपत के कुंडली होते हुए अपने गंतव्य पर जाएंगे।

प्रार्थना के लिए चर्च जाते थे मंदिर बोर्ड के अधिकारी, पता चलते ही टीटीडी ने किया सस्पेंड

तिरुमाला, एजेंसी। टीटीडी यानी तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने अपने एक पदाधिकारी को निलंबित कर दिया है। पदाधिकारी के कथित तौर पर प्रार्थना के लिए चर्च जाने पर यह कार्रवाई की गई है। साथ ही आरोप लगाए जा रहे हैं कि वह ईसाई धर्म के प्रचार में लगे हुए थे। इससे पहले भी टीटीडी करीब 18 कर्मचारियों पर ऐसे ही कारणों के चलते निलंबन की कार्रवाई कर चुका है।

टीटीडी ने असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ए राजशेखर बाबू को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। आरोप लगाए गए हैं कि वह तिरुपति जिले में अपने गृहनगर में प्रार्थना के लिए हर रविवार चर्च जाते हैं। साथ ही आरोप लगाए गए हैं कि बाबू ईसाई धर्म के प्रचार में शामिल रहे हैं, जो हिंदू ट्रस्ट में शामिल कर्मचारियों के लिए बनी आचार संहिता का उल्लंघन है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीटीडी ने बयान जारी किया, टीटीडी को यह पता चला है कि श्री राजशेखर बाबू तिरुपति जिले में अपने

गृहनगर पुट्टूर में हर रविवार को स्थानीय चर्च में प्रार्थना के लिए जाते हैं। टीटीडी का कहना है कि ऐसा काम मानदंडों का साफतौर पर उल्लंघन है, क्योंकि वह आचार संहिता का पालन करने में असफल रहे। टीटीडी के विजिलेंस डिपार्टमेंट की तरफ से रिपोर्ट और अन्य सबूत पेश किए जाने के बाद राजशेखर बाबू के खिलाफ कार्रवाई की गई है। खबरें हैं कि चर्च जाते और प्रार्थना में शामिल होते हुए उनका एक वीडियो भी वायरल हुआ है।

निमिषा प्रिया को बचाने की कोशिश में जुटा भारत, 16 जुलाई को होनी है फांसी; ब्लड मनी से बनेगी बात?

नईदिल्ली/ सना, एजेंसी। भारतीय नागरिक निमिषा प्रिया की फांसी को टालने के लिए भारत सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। निमिषा को यमन में वहां के नागरिक की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है। अधिकारियों के मुताबिक, उनकी फांसी 16 जुलाई को निर्धारित की गई है और इसको टालने के लिए कूटनीतिक और मानवीय स्तर पर प्रयास जारी है।

निमिषा प्रिया को जुलाई 2017 में अपने बिजनेस पार्टनर तलाल अब्दो मेहदी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और 2020 में यमनी अदालत ने उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। नवंबर 2023 में यमन की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने उनकी अपील खारिज कर दी थी। वे फिलहाल सना की एक जेल में बंद हैं, जो हूती विद्रोहियों के नियंत्रण में है।

भारत सरकार के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, जब से उन्हें मौत की सजा सुनाई गई है, हम इस मामले पर नजर बनाए हुए हैं। यमनी अधिकारियों और उनके परिवार से लगातार संपर्क में हैं और हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। हम फांसी को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। निमिषा प्रिया केरल के पलक्कड़ जिले के कोल्लेंगोड की रहने वाली हैं।

मामले की जटिलता इस कारण और बढ़ गई है क्योंकि भारत की हूती विद्रोहियों से कोई आधिकारिक बातचीत की व्यवस्था नहीं है। निमिषा की मां प्रेमकुमारी पिछले साल यमन गई थीं ताकि मृतक के परिजनों से बातचीत कर समझौता किया जा सके। इस प्रयास में यमन में बसे कुछ अनिवासी भारतीय उनकी मदद कर रहे हैं। सरकार ने संसद में पहले भी बताया था कि वह निमिषा के परिवार को हरसंभव सहायता दे रही है। निमिषा की जान बचाने की उम्मीद अब यमनी कानून के तहत दियात या ब्लड मनी पर टिकी है, जिसमें पीड़ित के परिवार को मुआवजा देकर सजा माफ कराई जा सकती है। सामाजिक कार्यकर्ता सैमुअल जेरोम बास्करन निमिषा की मां प्रेमा कुमारी के पावर ऑफ अटॉर्नी धारक हैं। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 8.5 करोड़ रुपये) की पेशकश की गई है, लेकिन परिवार ने अभी तक इस प्रस्ताव का जवाब नहीं दिया। जेरोम ने कहा, मैं बुधवार को यमन पहुंच रहा हूं ताकि तलाल के परिवार के साथ बातचीत फिर से शुरू की जा सके। निमिषा प्रिया 2008 में अपने माता-पिता की आर्थिक मदद के लिए यमन गई थीं। उन्होंने

सना में कई अस्पतालों में नर्स के रूप में काम किया और 2015 में तलाल अब्दो मेहदी के साथ मिलकर एक क्लिनिक खोला, क्योंकि यमनी कानून के तहत विदेशी नागरिकों को स्थानीय भागीदार के बिना व्यवसाय शुरू करने की अनुमति नहीं है। निमिषा के परिवार का दावा है कि तलाल ने उनके साथ धोखाधड़ी की, उनकी आय का हिस्सा नहीं दिया, और उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया। निमिषा ने तलाल को बेहोश करने के लिए उसे सेडेटिव इंजेक्शन दिया ताकि अपना पासपोर्ट वापस ले सकें, लेकिन ओवरडोज के कारण तलाल की मौत हो गई। इसके बाद निमिषा और उनकी एक यमनी सहकर्मी हनन ने तलाल के शव को टुकड़ों में काटकर एक पानी की टंकी में फेंक दिया। निमिषा की मां प्रेम कुमारी पिछले साल से यमन में हैं और अपनी बेटी की रिहाई के लिए प्रयासरत हैं। विशेष अनुमति ली थी। सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल ने भी ब्लड मनी के लिए धन जुटाने की कोशिश की, जिसमें जून 2024 तक 40,000 अमेरिकी डॉलर इकट्ठा किए गए। हालांकि, भारतीय दूतावास द्वारा नियुक्त वकील अब्दुल्ला अमीर ने 40,000 डॉलर की अतिरिक्त फीस मांगी, जिसके कारण बातचीत में देरी हुई। नीमिषा के लिए न्याय की मांग करने वाले राजनेताओं, व्यापारियों, कार्यकर्ताओं और प्रवासियों के फोरम का हिस्सा रहे वकील सुभाष चंद्रन ने बताया कि कोच्चि में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली प्रिया की मां ने केस लड़ने के लिए अपना घर बेच दिया।

मकान का ताला तोड़कर नकदी और गहने चोरी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर की विश्वकर्मा कॉलोनी बदमाश मकान का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी करके ले गए। वारदात के समय परिवार के लोग रिश्तेदारी में बाहर गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। नगर की विश्वकर्मा कॉलोनी निवासी मनोज कुमार ने बताया कि सात जुलाई को वह परिवार के साथ रिश्तेदारी में गए थे। जब मंगलवार शाम को वापस आए तो मकान का ताला टूटा हुआ और अंदर का सारा सामान इधर उधर पड़ा हुआ था। मनोज कुमार ने बताया कि बदमाशों ने गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर आए और सेफ का ताला तोड़ा। बदमाश सेफ से नकदी व सोने चांदी के जेवरात चोरी करके ले गए।

दस किलो सौ ग्राम गांजे के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में राम पार्क विश्तार स्थित बालाजी मंदिर के सामने से पुलिस ने मंगलवार रात एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से पुलिस को आंध्र प्रदेश से लाया गया दस किलो सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ है। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस मंगलवार को राम पार्क कालोनी स्थित बालाजी मंदिर के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति को रोककर उसके तलाशी ली। उसके कब्जे से दस किलो सौ ग्राम गांजा बरामद हुआ। तस्कर ने अपना नाम कदमपुरी निवासी मंगल बाजार राम पार्क ट्रोनिका सिटी बताया। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि तस्कर मूलरूप से आंध्र प्रदेश विशाखापट्टनम का रहने वाला है। वह आंध्र प्रदेश से महज तीन हजार रुपये किलो में गांजा खरीदकर लाता है। लोनी और दिल्ली एनसीआर में गांजा की छोटी पुड़िया बनाकर महंगे दाम पर बेचता है।

रेस्तरां में चल रहे अवैध हुक्का बार पर छापेमारी, एक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने मंगलवार को जौहरी पुर मेट्रो स्टेशन के पास रेश्तरां की आड़ में चल रहे हुक्का बार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने हुक्का बार के मालिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से तीन हुक्के, तीन चिलम और तीन पैकेट तंबाकू फ्लेवर बरामद किए हैं। थाना पुलिस के अनुसार, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दिल्ली-सहारनपुर रोड पर जौहरी पुर मेट्रो स्टेशन के पास एक रेश्तरां की पहली मंजिल पर संचालित हुक्का बार में छापेमारी की। पुलिस को देखकर बार में मौजूद युवक फरार हो गए। पुलिस ने हुक्का बार में काउंटर के पास खड़े व्यक्ति को पकड़ लिया। पुलिस को मौके से तीन हुक्के, तीन पाइप, तीन चिलम, तीन तंबाकू फ्लेवर बरामद हुए। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम गजेंद्र कुमार निवासी करावल नगर दिल्ली बताया। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि आरोपी ने चोरी छिपे हुक्का बार का संचालन करना स्वीकार किया है।

अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। सिहानी गेट क्षेत्र में बुधवार सुबह युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी प्रयास किया, लेकिन मृतक नहीं हो सकी। पुलिस अत्यधिक नशे में गिरने या हार्ट अटैक से मौत का अंदेशा जाता रही है। मौत की वजह जानने के लिए पुलिस ने सब पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह करीब सात बजे लोगों ने एएलटी की सर्विस रोड पर एक युवक का शव बड़ा होने की सूचना दी पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल की तो युवक का मुंह से खून से सना हुआ था। काफी प्रयास के बावजूद युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी। सीओ नंदग्राम पूनम मिश्रा का कहना है कि मृतक की उम्र करीब 25 वर्ष है। उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। अंदेशा है कि युवक अत्यधिक नशे में था और मुंह के बल सड़क पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके अलावा युवक को हार्ट अटैक आने की भी संभावना है। जिस जगह युवक का शव मिला है, उससे महज दस मीटर दूर पानी भी भरा हुआ था। मौत का कारण जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

चोर गिरफ्तार, कब्जे से सोने चांदी के आभूषण बरामद

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बार्डर थाना पुलिस ने मंगलवार रात को रेलवे अंडरपास से एक चोर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दो माह पूर्व एक मकान से चुराए गए सोने, चांदी के आभूषण बरामद हुए है। राजनगर कालोनी निवासी पीयूष सिंह के घर दो माई की रात अज्ञात चोर ने छत के राश्ते घर में घुसकर सोने की झुमकी, अंगूठी, तीन सोने की बाली, एक हीरे की बाली, सोने का हार और आठ सौ ग्राम चांदी की पाजेब चुरा ली थी। पीड़ति घर पर परिवार के साथ सो रहे थे। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस चोर की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने मंगलवार रात रेलवे अंडरपास के पास से सूचना पर एक चोर आसिफ निवासी शिव विहार दिल्ली को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से पांच पायल, तीन नाक की लौंग, दो अंगूठी बरामद की है। पूछताछ में आरोपी ने राजनगर कालोनी स्थित एक मकान में अकेला चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के खिलाफ लोनी बार्डर थाने में दो मुकदमे पूर्व में दर्ज है।

कार सवार चोर एक लाख की बकरियां लेकर फरार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। कोतवाली खैर क्षेत्र के गांव जान्हेंरा में चोरों ने रात को एक घर के बाहर से 11 बकरियां चुरा लीं। पीड़ति रामचंद्र बघेल अपने घर के बाहर सो रहे थे। उनकी बकरियां पास में ही बंधी हुई थीं। रात के समय कार में आए अज्ञात चोर सभी बकरियों को लेकर फरार हो गए। जब रामचंद्र को चोरी का पता चला, तो उन्होंने शोर मचाया। गांव के लोग इकट्ठा हो गए और आसपास खोजबीन की। लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। चोरी की गई बकरियों की कीमत एक लाख रुपए बताई जा रही है। कोतवाली खैर पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सीओ खैर ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सर्विलांस टीम को बकरी चोरों की तलाश का जिम्मा सौंपा गया है।

बारीश में दीवार गिरने से महिला नाले में डूबी, तलाश में जुटी टीम

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

बुधवार रात आई तेज बारीश के दौरान विवेकानंद नगर में झुग्गी की की दीवार गिरने से हुए हादसे में बैठी 30 वर्षीय महिला जुनैदा खातून नाले में गिर गई। गहरे पानी और वर्षा के चलते बहाव में महिला डूब गई। सूचना पर पहुंची पुलिस दमकलकर्मियों के साथ महिला की तलाश में जुटी है।

सीओ कविनगर भास्कर वर्मा के मुताबिक, बुधवार देर रात करीब पौने 10 बजे विवेकानंद नगर के पास से गुजर रहे नाले के किनारे झुग्गियों में जुनैदा खातून अपने दो बच्चों के साथ बैठी थी। बच्चे सो रहे थे जबकि, महिला झुग्गी की दीवार से सटकर बैठी हुई थी।

बताया गया कि झुग्गी की दीवार नाले की तरफ है। अचानक नाले के कनारे की मिट्टी खिसकने से झुग्गी की दीवार नाले की तरफ ढह गई। इसी दौरान महिला भी नाले में गिर गई। सूचना पर पुलिस और दमकल महिला की तलाश में जुटे हुए हैं।

कोर्ट की लिफ्ट फंसी, 25 मिनट तक बंद रहे नौ लोग

कोर्ट की तीन मंजिला बिल्डिंग की मंगलवार को लिफ्ट बंद हो गई। इसमें चार महिला सहित नौ लोग सवार थे। सभी लोग 25 मिनट तक फंसे रहे। दरवाजा तोड़कर लोगों को बाहर निकाला गया। इस मामले में बार एसोसिएशन ने जिला जज से शिकायत की है।

कोर्ट की तीन मंजिला बिल्डिंग में सीढ़ी के अलावा लिफ्ट लगी हैं। यहां प्रतिदिन हजारों लोग आते हैं। मंगलवार दोपहर को बिल्डिंग की लिफ्ट में चार अधिवक्ता और पांच अन्य लोग सवार हो गए। पहले फ्लोर पर लिफ्ट बंद हो गई। लिफ्ट में सवार लोगों का इंटरनेट बंद हो गया। नेटवर्क चले गए। इस पर लोगों ने मदद के लिए शोर मचाया। इस दौरान एक महिला के मोबाइल में नेटवर्क आए तो उन्होंने परिचित को फोन कर मदद मांगी।

लेबर ऑफिस कर्मचारी रिश्वत लेते एंटी करप्शन टीम ने किया गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

एंटी करप्शन की टीम ने लोहियानगर स्थित सहायक श्रमायुक्त कार्यालय से स्टेनो अमित कुमार और संविदाकर्मी कंप्यूटर ऑपरेटर भुवनेश शर्मा को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आशीष त्यागी नामक युवक ने शिकायत की थी उनके पिता की वर्ष 2009 में हादसे में मौत हो गई थी। उनके पिता रोडवेज बस चालक थे। रोडवेज ने उनकी मां के नाम लेबर कोर्ट में क्षतिपूर्ति के नाम पर 71 हजार और 67 हजार रुपये के दो चेक भेजे थे।

जिन्हें मृतक आश्रित आशीष त्यागी को देने के लिए स्टेनो अमित कुमार ने रिश्वत मांगी। एंटी करप्शन की टीम ने अमित कुमार और भुवनेश कुमार को रिश्वत लेते आज शाम दबोच लिया। दोनों को सिहानी गेट पुलिस के हवाले कर मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है।

चारा काट रहे किसान को रसैल वाइपर सांप ने काटा, अस्पताल भर्ती

✷एनसीआर टुडे. रेहड़ ✷

रेहड़ के पास लालपुरी के जंगल में खेत में चारा काट रहे एक किसान को रसैल वाइपर सांप (चित्ती सांप) ने डस लिया जिससे उसके परिजनों में हड़कंप मच गया।

परिजनों ने पीड़ित किसान को उपचार के लिए पीएचसी कासमपुर गढ़ी में भर्ती कराया है। रेहड़ निवासी किसान ठाकुर जितेंद्र सिंह 34 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रामवीर सिंह का खेत रेहड़ के पास लालपुरी वाली नहर की पुलिया के पास स्थित है। बुधवार सुबह लगभग नौ बजे किसान ठाकुर जितेंद्र सिंह अपने खेत में पशुओं के लिए चारा काट रहे थे। इसी दौरान घास में छिपे बैठे रसैल वाइपर (चित्ती सांप) ने उनके बाएं हाथ में काट लिया।

रसैल वाइपर सांप को देखकर किसान ठाकुर जितेंद्र सिंह की चीख निकल गई। ठाकुर जितेंद्र सिंह के शोर मचाने पर दूसरे खेत में चारा काट रहे इनके चचेरे भाई अंकित कुमार पुत्र शमशेर सिंह एवं सुमित कुमार पुत्र श्यामवीर सिंह मौके पर पहुंचे और

जितेंद्र सिंह के हाथ में कपड़े का बंद लगाकर बाइक से उनको घर ले आए।

परिजनों ने उपचार के लिए जितेंद्र सिंह को पीएचसी कासमपुर गढ़ी में भर्ती कराया है। वन क्षेत्राधिकारी अमानगढ़ अंकिता किशोर ने बताया कि रसैल वाइपर सांप में हीमोटाक्सिन नामक जहर होता है जो खून को प्रभावित पानी बना देता है।

इसके शरीर पर धब्बे जैसे निशान होते हैं जिसके चलते इसको चित्ती सांप भी कहा जाता है।

प्रदेश के श्रम मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह का नगीना पहुंचने पर फूल मालाओ से स्वागत हुआ

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

प्रदेश सरकार में श्रम मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने कहां कि भाजपा सबको साथ लेकर चल रही है। वे भाजपा के संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह सैनी की माता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त कर नगीना के लाइन पार आज़ाद कलोनी इंडस्ट्री में नगर समाज़ सेवी बाबू इश्तियाक अहमद उर्फ बाबू भाई लाठी वाले के हैंडीक्राफ्ट कारखाने में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

श्रम और योजना राज्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रोजेक्ट एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत बिजनौर को चुना गया है। क्योंकि नगीना में लकड़ी का कारोबार बड़ी तादाद में किया जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कामगारों को रोजगार देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। श्रम मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने कहा कि भाजपा भेदभाव रहित होकर कार्य कर रही है, उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकारों द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ सभी वर्ग के लोगों को लाभ दिलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा परिवार या समाजवाद की राजनीति नहीं करती बल्कि राष्ट्र हित में कार्य करती है। जो 135 करोड़ देशवासियों के सामने है। इसके बाद श्रम मंत्री ने हैंडीक्राफ्ट में बनने वाले आइटमों को देखा, लकड़ी के बने आइटमो को देखकर कारीगरों की प्रशंसा की।

इस मौके पर बाबू भाई ने अपनी टीम के साथ श्रम मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह का फूल माला पहना कर स्वागत किया और कास्टकला का गिफ्ट भेट कर सम्मानित किया। इस मौके पर बाबू इश्तियाक अहमद बाबू भाई लाठी वाले, तारीक मंसूरी नवाब अंसारी, आमिर, अशफाक, सगीर सेठ अंसारी सहित बड़ी संख्या में कारोबारी मौजूद थे।

भाजपाइयों ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पाँच पेड़ लगाए

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना क्षेत्र के कस्बा कोटरा स्थित शहीद भगत सिंह अमृत सरोवर परिसर में भाजपाइयों ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण महाअभियान चलाया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने अमृत सरोवर पर सफाई अभियान चलाकर पेड़ लगाए एवं पूर्व में लगाए पेड़ों का निरीक्षण भी किया। भाजपा पदाधिकारीयों व कार्यकर्ताओं ने 5-5 वृक्ष अपनी मां के नाम लगाए।

वृक्ष रोपने के उपरांत नए व पुराने पेड़ों को पानी देने का काम भी किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक सतीश गौतम, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद पूर्व जिला उपाध्यक्ष कृष्णा बलदेव सिंह,रोहित कुमार रवि, मंडल महामंत्री सचिन शर्मा, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र राठी, मंडल उपाध्यक्ष अरुण शर्मा, पूर्व नामित सभासद संजय शर्मा, ग्राम प्रधान आफताब अहमद, सभासद बृजमोहन बिश्नोई, सभासद गोपाल शर्मा, पूर्व प्रधान संजीव चौधरी, मंडल मंत्री हरमीत सिंह, अनवर कुरैशी, डॉ उदय राज, आकाश कुमार, अमन कुमार, कलुआ सिंह, मूल सिंह,रमेश कुमार, जितेंद्र कुमार, राकेश कुमार, सोनू कुमार, जयदेव रामकुमार,ललित कुमार, घनश्याम कुमार, छोटे कुमार सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण किया।

हैल्थ वैलनेस सेंटर किवाड़ में वन महोत्सव अभियान के तहत उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया वृक्षारोपण

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

मुख्यमंत्री आदेशों के क्रम में प्रदेश में चलाए जा रहे वन महोत्सव कार्यक्रम (1 जुलाई से 9जुलाई तक) के तहत उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर डॉ के के राहुल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधीक्षक डॉ 0बी 0के 0स्नेही ने आज हैल्थ वेलनेस सेंटर किवाड़ में निरीक्षण पर पहुंचकर वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत की।

एक एक छायादार और फलदार पेड़ अपने हाथों से लगाया। साथ ही अपने सभी अधीनस्थों को 5 पेड़ लगाने ओर उनकी देखभाल करने की प्रतिज्ञा दिलवाई।

इस संबंध को लेकर उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ के के राहुल जी ने विभागीय समीक्षा बैठक भी की। डॉ0 राहुल ने बताया कि सीएम ने निर्देश दिए कि इस अभियान को प्रदेशव्यापी जनांदोलन का रूप दिया जाए। वृक्षारोपण महाभियान-2025 के अवसर पर डॉ0 राहुल ने कहा कि सरकार की मनसा है कि इस बार हम एक दिन में प्रदेश की कुल जनसंख्या से भी अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम थीम पर आधारित यह वृक्षारोपण महाअभियान प्रदेश को हीटवेव से ग्रीनवेव की ओर ले जा रहा है।

अधीक्षक डॉ0 स्नेही ने कहा कि वन महोत्सव की अवधि में सीएचसी स्योहारा में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट वन विभाग की ओर से प्रदान किया जा रहा है।

शिशु के अभिभावकों को एक पौधा सागौन का भी भेंट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार वन महोत्सव में प्रदेश कुल 35 करोड़ पौधे रोपे जाने हैं, जो प्रदेश की कुल आबादी से भी अधिक होगी। वही बिजनौर जिले में 68 लाख पौधे लगाए जाने का लक्ष्य है। हमारे ब्लॉक स्योहारा में भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1235 पेड़ लगाए जाने का लक्ष्य जिले श्तर से मिला है।पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाए।

डॉ0 स्नेही ने कहा कि प्रत्येक रोपे गए पौधे की जियो टैगिंग भी कराई गई और उनकी फेंसिंग की समुचित व्यवस्था भी कराई जाएगी।आज सीएचसी स्योहारा में भी वृहद वृक्षारोपण किया गया।इस दौरान डॉ बी0 के0 स्नेही, बीपीएम शालिनी बिश्नोई, संगिनी किरण देवी, इम्यूनाइजेशन ऑफिसर और ब्लॉक स्योहारा के हैल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, फार्मासिस्ट योगेश कुमार, प्रदीप रावत, अमित सिंह, तुषार चंद्रा,एलटी ,ओर डी ओ राशि अनम आदि भी उपस्थित रहे। इनके द्वारा भी एक एक छायादार और फलदार पेड़ सी एच सी स्योहारा पर लगाया गया।

बाल स्वास्थय पोषण माह अभियान का डाक्टर बी. के. स्नेही ने किया शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

9 जुलाई 2025 से बाल स्वास्थ्य पोषण माह/ बीएसपीएम की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में हुई शुरुआत।

अधीक्षक डॉक्टर बी के स्नेही ने बच्चे को सीएचसी स्योहारा में विटामिन ए पिलाकर अभियान की अभियान की शुरुआत। अधीक्षक डॉक्टर बी. के. स्नेही ने आज सीएचसी स्योहारा में अयोजित टीककरण सत्र पर एक बच्चे को विटामिन ए पिलाकर अभियान की शुरूआत की।

शासन के आदेशों के क्रम में इस दौरान अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर बी.के. स्नेही ने सीएचसी स्योहारा में अयोजित वी एच एन डी सत्र पर आए एक बच्चे को विटामिन ए पिलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस दौरान डॉक्टर बी0के0 स्नेही ने अवगत कराया कि प्रदेश में प्रत्येक वर्ष दो चरणों में 6 माह के अंतराल पर विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में 09 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक से आच्छादित किया जाता है।

विटामिन ए एक वसा में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। 09 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए कि 9 खुराकें प्राप्त किए जाने से इन की रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है और बच्चे स्वास्थ्य ओर पोषित रहते हैं। प्रदेश में निम्नवत विटामिन ए की मात्रा के दिए जाने का प्रावधान है।

9 माह से 12 माह तक के बच्चों को विटामिन ए की एक लाख अंतरराष्ट्रीय यूनिट नियमित टीकाकरण सत्र के दौरान एमआर टीके के साथ आधा चम्मच दी जाती है।

16 माह से 24 माह के बच्चों को 200000 अंतर्राष्ट्रीय यूनिट एमआर टीके के दूसरे टीके के साथ पूरा चम्मच की जाती है। 2 से 5 वर्ष तक के बच्चों को 200000 अंतरराष्ट्रीय 6 माह के अंतराल पर विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान दवा पिलाई जाती है। इस बाबत प्रत्येक आशा एवं आंगनवाड़ी को सर्वे करने एवं लक्षित समूह के बच्चों की सूची बनाने को भी निर्देशित कर दिया गया है।

डॉ0 स्नेही ने बताया कि विटामिन संपूर्ण अभियान यानी बाल स्वास्थ्य पोषण माह 1 माह तक चलाया जाएगा। विटामिन ए एक शिशु सुरक्षा कवच है। इससे शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता में वृद्धि होती है।

पोषण में कमी एवं शरीर विकास में विटामिन ए सहायक है। नेत्र रोग जैसे रतोंधी में बचाव करता है। आंखों की कॉर्निया को सुरक्षा प्रदान करता है। दश्त एवं स्वांश संबंधी रोगों में सुरक्षा प्रदान करता है।

विटामिन ए से खसरा में होने वाली मृत्यु में 50% तक की कमी आती है एवं दश्त से होने वाले मृत्यु में 40% तक की कमी देखी गई है। 1000 की आबादी पर 9 माह से 5 वर्ष तक के 120 से 130 बच्चे अपेक्षित होते हैं। जिनको आशा सर्वे करके सत्रों पर लाकर विटामिन ए से आच्छादित करवाती है।

विटामिन ए की बोतल खोलने से पूर्व एएनएम उस पर तिथि अवश्य अंकित करें। एक बोतल खोलने के बाद 6 से 8 सप्ताह तक उपयोग कर सकते हैं। बोतल के साथ दी गई चम्मच का उपयोग ही बच्चों को विटामिन ए पिलाने में करें।

विटामिन ए को हमेशा छाया दार जगह पर रखना चाहिए। विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में गाजर, आम, पपीता, पीले फलों, मां का दूध, पालक, कलेजी, अंडा ओर केला आदि पाया जाता हैं। इनका भरपूर प्रयोग भी सबको करना चाहिए ताकि विटामिन ए की पर्याप्त मात्रा शरीर को मिल सके।

शरीर को रोगों से लड़ने में सहायता मिल सके।डॉ0 स्नेही द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित सत्रों का निरीक्षण भी किया गया।इस दौरान डॉ0 बी के स्नेही, वीर सिंह आई ओ, राजेश कुमार हेल्थ सुपरवाइजर, फर्मासिस्ट हरीश कुमार, प्रदीप रावत, योगेश कुमार, बीपीएम शालिनी बिश्नोई, मोहम्मद फारूख, मुकेश शर्मा, नरविंदर एलटी, अनीता, डीईओ अनम, राशि और आशा संगिनी आदि उपस्थित रहे।

निगम कर्मचारियों ने मांगें पूरी करने के लिए धरना दिया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

नगर निगम कर्मचारी संघ ने बुधवार को विभिन्न मांग पूरी नहीं होने से नाराज

होकर धरना दिया। धरने पर बैठे कर्मचारियों ने बताया कि कई माह से मांग लंबित हैं, लेकिन उन पर विचार नहीं किया जा रहा।

कर्मचारियों ने मांग पूरी कराने के लिए नगर विकास मंत्री को पत्र भेजा। कर्मचारी अध्यक्ष रविंद्र कुमार की अगुवाई में कर्मचारियों ने निगम मुख्यालय में धरना दिया।

उन्होंने अपनी मांग पूरी कराने के लिए नारेबाजी की। रविंद्र कुमार ने बताया कि वेतन विसंगति दूर करने और पदोन्नति समेत कई मांग हैं, जिन्हें लंबे समय से पूरा नहीं किया जा रहा। इस बारे में कई बार नगर आयुक्त के साथ बैठक की। इसके बाद भी मांगों को पूरा नहीं किया जा रहा।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आवाहन पर पर एक दिन का धरना दिया गया। मांग पूरी नहीं होने पर नियमित रूप से धरना दिया जाएगा।

धरना देने वालों में राकेश अग्निहोत्री, प्रदीप शर्मा, रविन्द्र कुमार, कुलदीप शर्मा, सलीम अब्बासी, राजीव शर्मा, जयदेव कौशिक आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है। महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

महिला ने फंदे से लटकर की आत्महत्या

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एक महिला ने घर मे ही फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली। कमरे में शव लटका देख मृतका की सास के होश उड़ गए। महिला की शादी चार महीने पहले हुई थी।

सूचना पर इलाका पुलिस के अलावा फील्ड यूनिट मौके पर पहुँच गई। सबूत एकत्र कर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। हरदुआगंज थाना इलाके के कस्बा जलाली के रहने वाली बबली ने 19 वर्षीय बेटी नीलम की शादी 1 मार्च 2025 को हरदुआ देहात के रहने वाले योगेश के साथ की थी। ग्रामीणों के अनुसार, मंगलवार रात्रि सास रूपवती ने कई बार नीलम को आवाज दी। लेकिन नीलम का कोई जवाब नहीं आया। जिसके बाद सास रूपवती ने खिड़की से कमरे के अंदर देखा। कमरे में पंखे से नीलम का शव लटका हुआ था।

उत्तर रेलवे

ई–खुली निविदा सूचना

मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 29.07.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

क्रम सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि
ए	सहायक मंडल अभियंता / संपदा–III के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता / बड़ौदा हाउस के कार्य क्षेत्र में बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली में आरसीसी कॉलम, सनशेड, फिन्स, लिंटेल आदि क्षतिग्रस्त में सुधार कार्य हेतु।	रुपये 18319476.16	रुपये 241600.00	12 महीने

S. निविदा दिनांक: 29.07.2025 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी। पत्र संख्या :– 128–डब्लयू / 269 / निविदा सूचना / 25–26 / डब्लयू–ई / टेंडर न: 17 दिनांक: 08.07.2025 2058/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

धर्मांतरण का धंधा : विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

धर्म किसी भी समाज की आत्मा होता है, लेकिन जब धर्म का प्रयोग 'धंधे' में बदल जाए तो सवाल सिर्फ आस्था का नहीं, राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों का हो जाता है। उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से 'छांगरू बाबा' उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था।

जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था-जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा 'रेट कार्ड' था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस श्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से-यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं। क्या यह केवल धर्मांतरण के लिए था या इसके पीछे कोई और बड़ा वैश्विक, राजनीतिक या वैचारिक षड्यंत्र भी छिपा है?

इस रैकेट की कार्यशैली में सोशल मीडिया का जबरदश्त उपयोग किया गया। वीडियो, मोटिवेशनल भाषण, 'इस्लाम कबूल करने से मिली राहत' जैसे फर्जी वीडियो वायरल कर कमजोर तबकों को बरगलाया गया। पहले मानसिक रूप से प्रभावित किया गया, फिर आर्थिक लालच दिया गया और अंत में जबरन धर्मांतरण। यह साइकोलॉजिकल वॉरफेयर जैसा है-जहां पहले मश्तिष्क जीता जाता है, फिर शरीर। और सबसे दुखद यह कि इसे धर्म का नाम दिया गया।

इस प्रकरण में बलरामपुर जिले के एक पूरे परिवार के धर्मांतरण की पुष्टि हुई है। वहां महिलाओं और बच्चों को टारगेट कर उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह कोई एक अपवाद नहीं, बल्कि उसी पैटर्न का हिस्सा है-जिसमें ग्रामीण, अशिक्षित और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को निशाना बनाया जाता है। यह सामाजिक असमानता का शोषण है। जब राज्य, समाज और प्रशासन इन परिवारों की रक्षा नहीं कर पाते, तो ऐसे गिरोह अपना मकड़जाल फैलाते हैं।

इस रैकेट का सबसे खतरनाक पहलू था-जातिगत दर निर्धारण। ऊंची जाति की लड़कियों के धर्मांतरण के लिए अधिक पैसा दिया जाता था। इसका मतलब है कि धर्मांतरण सिर्फ धर्म का नहीं, जाति-सामाजिक संरचना को तोड़ने का औजार भी बन चुका है। यह न केवल हिंदू समाज को कमजोर करने की चाल है, बल्कि राष्ट्र को आंतरिक रूप से विखंडित करने की भी रणनीति है।

इस मामले पर तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग चुप है। वही वर्ग जो 'धर्मनिरपेक्षता' की दुहाई देता है, 'संविधान की आत्मा' की बात करता है, आज गूंगा बना बैठा है। क्यों? क्या धर्मांतरण को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मान लिया गया है? क्या किसी गरीब, दलित, महिला या आदिवासी का जबरन धर्म बदलवाना मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? अगर किसी दलित के मंदिर में प्रवेश करने से किसी को आपत्ति है, तो उस पर शोर मचता है, लेकिन जब उसी दलित को पैसों से धर्म बदलवाया जाता है तो कोई नहीं बोलता। यह मौन स्वयं एक अपराध है।

यह भी गौरतलब है कि ऐसे मामलों पर राजनीतिक दल अक्सर वोट बैंक की राजनीति के कारण खुलकर प्रतिक्रिया नहीं देते। अल्पसंख्यकों की 'संवेदनशीलता' के नाम पर ऐसे राष्ट्रघातक कृत्यों को नजरअंदाज किया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की अखंडता और सामाजिक समरसता वोट बैंक से भी छोटी हो गई है? अगर कोई हिंदू संगठन धर्मांतरण रोकने की बात करता है तो उसे कट्टरपंथी कह दिया जाता है, लेकिन जब धर्मांतरण के नाम पर विदेशी पैसा आकर समाज को तोड़ता है, तो सब चुप हो जाते हैं।

यह मामला अकेला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं जो सामाजिक दुर्बलता, आर्थिक मजबूरी और शिक्षा की कमी का लाभ उठाकर धर्मांतरण करा रहे हैं। इससे निपटने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और मजबूत बनाना चाहिए। विदेशी फंडिंग की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र को सशक्त करना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज को आत्मनिर्भर और सजग बनाना जरूरी है।

धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाज़ी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें-बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

पत्रकारिता की नाक कटाने पर तुला 'गोदी मीडिया'

निर्मल रानी

यदि आप गोदी मीडिया से जुड़े भोंपू टी वी चैनल्स पर टी आर पी केंद्रित चोंच लड़ाने व उत्तेजना पैदा करने वाली डिबेट देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा गुज़रता हो जिसदिन गोदी मीडिया के इन टी वी एंकर्स को किसी न किसी डिबेट के सहभागी या दर्शकगण के बीच बैठे किसे जागरूक व्यक्ति के हाथों घोर अपमान न सहना पड़ता हो।

जनता के बीच तो यह लोग अब जाने से ही डरते हैं क्योंकि वहां भी कई बार इन्हें अपमानित होकर वापस आना पड़ा है। स्वयं के सेलेब्रेटी होने का भ्रम पाले ऐसे कई पत्रकारों को कई बार जनता धक्के देकर भगा चुकी है। आख़िर क्या कारण है कि पत्रकारिता जैसा पवित्र व ज़िम्मेदार पेशा अब इतना बदनाम हो गया है कि गोदी मीडिया से जुड़े वर्तमान भोंपू व पक्षपातपूर्ण एवं झूठी रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों का बर्ताव व उनका मनोभाव देखकर लोग अपने बच्चों को पत्रकारिता सिखाने से परहेज़ करने लगे हैं?

आम लोग बड़े ही भरोसे के साथ टी वी देखते व पत्र पत्रिकाएं पढ़ते हैं। पत्रकारों का एक राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय नेटवर्क जगह जगह के ताज़ा हालात के बारे में अपने अपने मीडिया संस्थान को पूरी ज़िम्मेदारी के साथ अवगत कराता है। इसी सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित कर देश दुनिया को किसी घटना की जानकारी दी जाती है।

इसके अतिरिक्त मीडिया सरकार व समाज के दर्पण का भी काम करता है। सत्ता से उसकी नाकामियों पर सवाल पूछता है। परन्तु गत दस वर्षों से तो यही मीडिया न केवल सरकार का वफ़ादार भोंपू बन चुका है बल्कि उल्टे सत्ता से सवाल करने वालों को ही कटघरे में खड़ा कर रहा हे। यह सत्ता के बजाये विपक्ष से सवाल करने को ही पत्रकारिता समझता है।

गोदी मीडिया सरे आम सांप्रदायिक एजेंडा परोसता है और देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने में अपनी मुख्य भूमिका अदा कर रहा है।

पत्रकारिता को शर्मसार करने वाले ऐसे ही दलाल क़िस्म के पत्रकारों पर न जाने कितने मुक़द्दमे चल चुके हैं और कई पर तो अभी भी चल रहे हैं। देश की अदालतें ऐसे टी वी चैनल्स व पत्रकारों को कई बार डाँट फटकार लगा चुकी हैं। अभी पिछले ही दिनों रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ़ अर्नब गोस्वामी के ख़िलाफ़ दिल्ली हाईकोर्ट में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मानहानि का मामला दायर कर दिया।

अर्नब गोस्वामी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की रिपोर्टिंग के समय कांग्रेस पार्टी को "राष्ट्र के दुश्मनों के साथ खड़ी" होने वाली पार्टी बताकर कांग्रेस की छवि धूमिल करने की कोशिश की थी। रिपब्लिक टीवी वही न्यूज़ चैनल है जिसकी स्थापना मई 2017 में अर्नब गोस्वामी व भाजपा सांसद राजीव चंद्रशेखर ने संयुक्त रूप से की थी। राजीव चंद्रशेखर उद्यमी होने के साथ साथ वर्तमान में भाजपा केरल के प्रदेश अध्यक्ष होने के अलावा पूर्व इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, उद्यमिता व जल शक्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री भी हैं।

उधर अर्नब गोस्वामी की तारीफ़ यह है कि इन्हें 4 नवंबर 2020 को 53 साल के एक इंटीरियर डिज़ाइनर को आत्महत्या के लिये मजबूर करने के मामले में मुंबई पुलिस ने गिरफ़्तार किया था। इसके अलावा भी गोस्वामी के विरुद्ध कई आपराधिक और सिविल मामले दर्ज किए गए थे। इनमें मानहानि, उकसाने, ग़लत सूचना फैलाने और अन्य संबंधित आरोप शामिल हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के मुंह पर कालिख पोतने वाला ऐसा दाग़दार व्यक्ति अब यह प्रमाण पत्र बाँट रहा है कि कौन सा व्यक्ति व दल राष्ट्र भक्त है और कौन राष्ट्र के दुश्मनों के साथ खड़ा है?

कुछ दिन पहले ऐसे ही किसी 'एजेंडा पत्रकार' ने पूरी पत्रकार बिरादरी को उस समय ज़लील किया जब उसने भारत की अंतरराष्ट्रीय खुफिया एजेंसी रॉ के पूर्व निदेशक अमरजीत सिंह दुलत का साक्षात्कार किया और उस दौरान उसने दुलत से एक अप्रासंगिक प्रश्न पूछ लिया। उसने पुछा कि कुछ दिन पहले आप पाकिश्तान गए थे? इस सवाल पर पहले तो दुलत ने पूछा की यह किसने बताया आपसे? जवाब न मिलने के बाद वे खड़े हो गये और ---निकालो इसको साले को, हटा...बहन चो... को। कौन? कौन साला हरामज़ादा बोल रहा था? कौन कुत्ता बोल रहा था? कौन था वो? मालूम है मैं कौन हूँ? कौन कह रहा था? मादर... तुम समझते क्या हो अपने आप को, मादर चो ... पागल समझ रहे हो? तेरी माँ चो... दूंगा मैं, बहन चो ....। और आख़रिकार इस पत्रकार पर इतने सरे अलंकरण की बारिश करने के बाद दुलत ने उस दलाल पत्रकार व उसके कैमरामैन को धक्के देकर अपने घर से बाहर खदेड़ दिया। तो क्या इस तरह पत्रकारिता की 'शान ' बढ़ा रहा है हमारे देश का बिकाऊ भाण्ड मीडिया?

इसी तरह पिछले दिनों ज़ी न्यूज़ और CNN-News18 के विरुद्ध पुंछ की अदालत ने ऍफ़ आई आर का आदेश दिया तथा प्रत्येक पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना सुनाया। मामला यह था कि 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पुंछ में पाकिश्तानी हमले में क़ारी मोहम्मद इक़बाल नामक एक सज्जन व्यक्ति शहीद हो गए थे। उस समय ZeeNews और CNNnews18 जैसे चैनल बड़ी ही बेशर्मी से इक़बाल को आतंकवादी बता रहे थे तथा बिना किसी सबूत के यह दावा कर रहे थे कि क़ारी मोहम्मद इक़बाल का सम्बन्ध लश्कर-ए-तैयबा से था। जबकि वे स्थानीय लोकप्रिय समाजसेवी थे तथा राष्ट्रभक्त व्यक्ति थे।

मरणोपरांत उनकी छवि बिगाड़ने, फ़र्ज़ी व अपमानजनक सामग्री प्रसारित करने के लिए ही अदालत ने इन चैनल्स पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। निश्चित रूप से यह पक्षपातपूर्ण पत्रकारिता के मुँह पर ज़ोरदार तमाचा है। यह कैसा ग़ैर ज़िम्मेदार मीडिया है कि दुश्मन की गोली से शहीद होने वाले अपने ही देशवासियों को आतंकवादी बता रहा है?

याद कीजिये 14 जून 2020 का वह दिन जब अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या कर ली थी। परन्तु आत्महत्या करने के बाद उसके परिवार वालों ने सुशांत की मित्र अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को इस तरह कटघरे में खड़ा कर दिया था गोया रिया चक्रवर्ती पर दोष मढ़ने के लिये मीडिया के पास सारे सुबूत मौजूद हों। उस दौरान इसी मीडिया ट्रायल की वजह से रिया को 27 दिनों तक जेल में भी रहना पड़ा था। रिया चक्रवर्ती पर न केवल न केवल सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने भर का आरोप था बल्कि उस पर 15 करोड़ की हेराफेरी का भी आरोप लगाया गया था।

यहाँ तक कि इस मामले में ड्रग्स के एंगल से भी जांच की गई थी। परन्तु पिछले दिनों इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत में दो क्लोज़र रिपोर्ट दाखिल कर दी। सीबीआई की इस रिपोर्ट में अभिनेता की मौत के मामले में किसी साज़िश से इनकार किया गया। गोया सीबीआई द्वारा रिया चक्रवर्ती को क्लीन चिट दे दी गई।

इस रिपोर्ट के फ़ौरन बाद ज़ी न्यूज़ के स्वामी सामने आये थे और उन्होंने अपने चैनल पर इस सम्बन्ध में ग़लत ख़बर चलाने के लिये मुआफ़ी मांगी। परन्तु बेशर्म पत्रकारों ने मुआफ़ी मांगने की भी ज़रुरत महसूस नहीं की? देश में जिस तरह मीडिया द्वारा बेशर्मी की सारी हदें पार की जा रही हैं उसे देखकर यही कहा जायेगा कि पत्रकारिता की नाक कटाने पर तुला है 'गोदी मीडिया'।

फिलवक्त बिहार में विपक्षी राजनीति का चक्का जाम है...

डॉ. आशीष वशिष्ठ

चुनाव आयोग द्वारा बीती 25 जून से बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने है। इस प्रक्रिया का विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस' यानी इंडी गठबंधन विरोध कर रहा है। विपक्ष इस मसले पर कानूनी लड़ाई भी लड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की 9 राजनीतिक पार्टियों ने याचिका दाखिल की है, जिस पर सर्वोच्च अदालत 10 जुलाई को सुनवाई करेगा।

वहीं दूसरी ओर विपक्ष ने नौ जुलाई बिहार में चक्का जाम करने का निर्णय किया है। विपक्ष की राजनीति और बॉडी लैंग्वेज से ऐसा आभास हो रहा है मानो मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण से उसका बना बनाया खेल बिगड़ गया है। फिलवक्त बिहार में विपक्ष की राजनीति का चक्का जाम दिखाई दे रहा है।

निर्वाचन आयोग देश में अवैध रूप से बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से आकर जो लोग रह रहे हैं, जिन्होंने मतदाता सूची में नाम दर्ज करवा लिया है। वैसे लोगों को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू की है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि जो भी अवैध रूप से बिहार आकर बस गए हैं, उनका वोट विपक्ष को जाता है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन के घटक दल हो या ओवैसी, इनको इस बात का डर सता रहा है कि मतदाता सूची से यदि इनका नाम कट गया तो उनका राजनीतिक रूप से नुकसान होगा।

बिहार में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, जबकि पांच राज्यों- असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले अवैध प्रवासियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर यह कवायद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। इसी वजह से पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है।

बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है।

किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

जाति आधारित सर्वेक्षण आंकड़ों के अनुसार बिहार में करीब 17.70 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वहीं, बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 47 सीटें ऐसी हैं, जहां मुस्लिम वोटर अहम भूमिका अदा करते हैं। इन इलाकों में मुस्लिम आबादी 20 से 40 प्रतिशत या इससे भी अधिक है। बिहार की 11 सीटें हैं, 10 से 30 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। जानकारों का मानना है कि चुनिंदा क्षेत्रों में अगर एक निश्चित मात्रा में नाम कट जाएं तो मुकाबला कमजोर हो जाएगा।

वहीं ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन यानी एआईएमआईएम ने भी विपक्ष के सामने संकट पैदा कर दिया है। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तर उल ईमान ने लालू प्रसाद को चिट्ठी लिख कर कहा कि एमआईएम को महागठबंधन में शामिल किया जाए।

राजद की ओर से पहली प्रतिक्रिया में पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने इसके लिए मना कर दिया है। असल में एआईएमआईएम ने राजद और कांग्रेस दोनों को उलझा दिया है।

ये दोनों पार्टियां कहती रही हैं कि ओवैसी की पार्टी भाजपा की बी टीम है और हर बार राजद, कांग्रेस को हराने के लिए चुनाव लड़ती है।

लेकिन इस बार उन्होंने अपनी ओर से तालमेल की पहल की है। अगर राजद, कांग्रेस तालमेल के लिए तैयार नहीं होते हैं तो फिर कैसे एमआईएम पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाएंगे! राजद और कांग्रेस की स्थिति सांप छछूंदर वाली हो गई है।

इंडी गठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए को टक्कर देने के लिए दो तरफा योजना बना रहा है। इसके तहत वह कल्याणकारी योजनाओं के वादों के साथ-साथ सामाजिक न्याय का एक बड़ा मुद्दा भी पेश करेगा। विपक्ष रोजगार की तलाश में गरीब बिहारियों के बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने के उपाय के रूप में विशेष रोजगार सृजन योजनाओं की पेशकश करने के लिए भी काम कर रहा है।

विपक्षी गठबंधन को उम्मीद है कि वह स्थानीय भावनाओं को भी प्रभावित करने के लिए एक अभियान चलाकर यह दावा कर सकेगा कि बिहार में कुछ नौकरशाहों के माध्यम से एक दिल्ली गिरोह छद्म सरकार चला रहा है, वह भी ऐसे समय में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शारीरिक फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं। लेकिन विपक्ष के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिहार चुनाव में उसका चेहरा कौन होगा? विपक्ष अभी अपना चेहरा तय नहीं कर पाया है। राजद तेजस्वी को भावी मुख्यमंत्री और विपक्ष के चेहरे के तौर पर पेश कर रहा लेकिन गठबंधन में इस पर कोई सहमति नहीं है। राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे पर सहमति बनना मुश्किल है।

गठबंधन का कोई भी दल अपनी दावेदारी कम नहीं करना चाहता। ऐसे में विपक्ष भले ही ऊपरी तौर पर ताकतवर दिखने के लिए एकजुटता दिखा रहा है, लेकिन अंदरखाने विपक्ष के चेहरे यानी सीएम प्रत्याशी के नाम को लेकर भारी उथल पुथल मची है।

सत्तारूढ पक्ष की ओर से साफ किया जा चुका है कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरेग। और चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नीतीश कुमार बैठेंगे। बिना चेहरे के चुनाव मैदान मे उतरने से विपक्ष का पलड़ा कमजोर होना तय है, क्योंकि इस से यह मैसेज जायेगा कि विपक्ष एकजुट नहीं है।

बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष खासकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और जन सुराज के संयोजक जिन मुद्दों को आधार बनाकर बिहार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके हर मुद्दे की लगातार हवा निकाल रहे हैं। चाहे बिहार की सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू करने की बात हो या सामाजिक पेंशन की राशि में बढ़ोत्तरी का मुद्दा। यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष से दो कदम आगे चल रहे हैं।

चुनाव में अभी लगभग तीन महीने का वक़्त है, तब तक राजनीति का ऊंट किस करवट बैठेगा ये अभी कह पाना मुश्किल है। फिलवक्त बिहार मे विपक्ष की राजनीति उलझी और फंसी हुई दिख रही है। चुनाव आयोग की कार्रवाई से विपक्ष की हताशा भी सामने आ चुकी है। ऐसा लग रहा है मानो विपक्ष की सारी उम्मीदें मतदाता सूची पर ही टिकी हुई थी।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में पुनरीक्षण शुरू करके उसका बना बनाया काम बिगाड़ दिया हो। कानून और नियमों के तहत चुनाव आयोग साफ सुथरी मतदाता सूची बनाना चाह रहा है। इससे भला किसी को क्या परेशानी हो सकती है। लेकिन विपक्ष ने इस प्रक्रिया का विरोध कर अपनी मंशा साफ कर दी है।

आशंका इस बात की भी है कि कहीं विपक्ष अपनी संभावित हार को देखते हुए चुनाव आयोग और सरकार पर आरोप मढ़ने की नीयत से पेशबंदी तो नहीं कर रहा। हालांकि इन सबके बीच एक बात तो तय है कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष उन तमाम मुद्दों को जरूर टेस्ट करना चाहेगा जो आने वाले समय में देश और खासकर विपक्ष की राजनीति पर असर डाल सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है)

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा।

कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है।

कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं।

यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है। असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं।

पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेश्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवड़ियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं।

ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वाश्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।'

यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं।

कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भडक़ा। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है।

और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है न्यू अग्रवाल पनीर भंडार। इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान लालाजी पनीर भंडार के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है।

इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं।

पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का संगम शुद्ध शाकाहारी होटल बन गया सलीम ढाबा। मां भवानी जूस कार्नर का नाम हो गया फहीम जूस केंद्र। टी प्वाइंट का नाम हो गया अहमद टी स्टाल। ऐसे ही नीलम स्वीट्स का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के चीतल ग्रैंड के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे जनता वैष्णो ढाबा का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना गणपति ढाबा बेच दिया।

एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डु, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है।

अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मज़बूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मर्ज़ी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से ख़रीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है।

बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके।

वैसे भी ये मसला हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको राश्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है!

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

पौधरोपण महाभियान: दोपहर 1 बजे तक 20 करोड़ पौधे लगाए गए, सीएम बोले- संरक्षण भी करें

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में आज सुबह पौधरोपण महाभियान-2025 का शुभारंभ हो गया। एक पेड़ मां के नाम थीम पर प्रदेश में आज 37 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बाराबंकी में पौधरोपण किया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में पौधरोपण कर लोगों से पौधों के संरक्षण की अपील की। प्रदेश में दोपहर एक बजे तक 20 करोड़ पौधे लगाए गए।

इस मौके पर अयोध्या में अभियान का शुभारंभ करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा का सामना पूरी दुनिया को करना पड़ रहा है। अमेरिका जैसे देश भी इससे सुरक्षित नहीं है। यह अनियोजित विकास का परिणाम है। ऐसे में हमें विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा करनी ही होगी। पौधरोपण अभियान अपनी मां के नाम कृतज्ञता ज्ञापित करने का मौका देता है इसलिए इस अभियान को एक पेड़ मां के नाम नाम दिया गया है। आज के दिन पौधरोपण कर इनकी सुरक्षा और संरक्षण के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि विकास के साथ पर्यावरण की रक्षा करने के लिए कई तरह की तकनीक विकसित हो चुकी है। इससे पर्यावरण की रक्षा करते हुए विकास भी सुनिश्चित किया जा सकता है। इन दोनों में संतुलन बनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 204 करोड़ पौधे रोपित किए गए हैं। इनमें से 75 फ़ीसदी से ज्यादा पेड़ जीवित हैं। पांच लाख एकड़ क्षेत्र में प्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ा है। अब हम हीट वेव से ग्रीन वेव की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पहले सीएम योगी ने त्रिवेणी वाटिका में नीम, पीपल और बरगद के पौधे रोपित किए।

पौधों की सुरक्षा के लिए सीएसआर फंड का होगा इस्तेमाल

पौधरोपण के बाद पौधों की सुरक्षा के लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) फंड का इस्तेमाल होगा। बैंकों और निजी कंपनियों से रोपण क्षेत्रों को गोद लेने और पौधों की सिंचाई व सुरक्षा के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इससे पौधरोपण अभियान तकनीकी नवाचार और सामुदायिक सहयोग के बल पर और भी प्रभावी होने की उम्मीद है।

मोबाइल पर देखें पौधरोपण की प्रगति

वृक्षारोपण महा अभियान-2025 के अंतर्गत पौधरोपण की प्रगति जिलेवार वृक्षारोपण सॉफ्टवेयर पर ऑनलाइन अपलोड की जा रही है।

आमगढ़ में बोले सीएम योगी, परिवार का विकास करने वालों ने देश को भाषा और जाति के नाम पर बांटने का किया पाप

आजमगढ़, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को विकास खंड सठियांव के केरमा गांव में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने यहां से बड़े-बड़े लोगों को चुनाव जिताकर भेजा जिन्होंने सिर्फ परिवार का विकास किया। देश को भाषा और जाति के नाम पर बांटने का काम किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को धरती माता और जन्मदायिनी मां के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बताया। उन्होंने वैदिक उद्घोष 'माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:' का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सच्चा पुत्र वही है जो अपनी मां की सेवा और रक्षा करता है। इस अभियान के तहत प्रदेशवासियों ने सुबह 7 बजे से ही उत्साह के साथ पौधरोपण शुरू किया। योगी ने कहा कि यह अभियान वर्तमान को संवारने और भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। पेड़ हमें प्रदूषण, सांस की बीमारियों और कार्बन उत्सर्जन के दुष्प्रभावों से बचाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 204 करोड़ पौधे रोपित किए गए हैं। इनमें से 75 फीसदी से ज्यादा पेड़ जीवित हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से कटकर देवर-भाभी की मौत, बच्चों की आंखों के सामने हो गए कई टुकड़े...ऐसा हादसा देख कांप गए लोग

आगरा, एजेंसी। कानपुर से होते हुए दिल्ली जा रही डिब्रूगढ़ राजधानी की चपेट में आने से बुधवार सुबह पौने आठ बजे देवर-भाभी की मौत हो गई। वे फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन पर रेल ट्रैक पार करते समय प्लेटफार्म दो से तीन की तरफ जा रहे थे। तभी दुर्घटना का शिकार हो गए। आंखों के सामने दुर्घटना देखकर स्टेशन पर मौजूद यात्री सहम गए। ट्रेन गुजरने के बाद आरपीएफ और जीआरपी पहुंची। बुलंदशहर में छतारी थानाक्षेत्र के छतारी गांव का 21 वर्षीय शनि दो दिन पहले थाना दक्षिण के मोहल्ला संतनगर में अपनी बहन गौरी के बेटे के नामकरण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए परिवार के लोगों के साथ आया था। चचेरे भाई अरुण ने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर और रिश्तेदार मिलाकर 25 लोग आए थे। कुछ लोग रात में ही लौट गए थे। बुधवार सुबह कुछ लोग लौट रहे थे। उनके साथ छह बच्चों समेत 10 लोग थे। उन्हें प्लेटफार्म दो से तीन पर जाना था। सीधे रेलवे ट्रैक पार कर पहले बच्चों को पहुंचाया। अंत में शनि (21) और सोनमति (35) निवासी छितारा, बुलंदशहर रेलवे ट्रैक पार कर रही थी। तभी कानपुर की तरफ से आ रही डिब्रूगढ़ राजधानी ट्रेन की चपेट में आकर दोनों की मौत हो गई। मृतका के सोनमति शनि के बुआ के बेटे मोनू की पत्नी थी। उसके तीन बच्चे भी साथ थे। आंखों के सामने की मृत्यु देखकर बच्चे बिलखने लगे। स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। जीआरपी इंस्पेक्टर सुशील कुमार ने बताया कि डिब्रूगढ़ राजधानी की चपेट में आने से देवर-भाभी की मौत हुई है।

संविदा लाइनमैन की करंट लगने से मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

प्रतापगढ़, एजेंसी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के सैफाबाद बाजार निवासी राजीव गुप्ता विद्युत विभाग में संविदा लाइनमैन के रूप में कार्य कर रहा था। मंगलवार को करंट लगने से उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद देर रात शव घर लाया गया।

आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के सैफाबाद बाजार निवासी राजीव गुप्ता विद्युत विभाग में संविदा लाइनमैन के रूप में कार्य कर रहा था। मंगलवार को करंट लगने से उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद देर रात शव घर लाया गया। बुधवार की सुबह शव को घर के दरवाजे के सामने रखकर परिजन अंतिम संस्कार से इनकार कर दिए हैं। मृतक की बड़ी बहन का बयान भी सामने आया है जिसमें 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता सरकारी नौकरी की मांग रखी गई है। पुलिस के साथ विद्युत विभाग के जनरल मैनेजर भी मृतक के आवास पर सुबह 8-30 से डेट हैं। परिजनों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। पर परिजन माग पूरी होने के बाद ही अंतिम संस्कार करने की बात कही है। मृतक के आवास पर लोगों की भारी भीड़ जमा है। सुरक्षा के लिए आसपुर देवसरा थाना अध्यक्ष धीरेंद्र ठाकुर भी मौके पर डटे हुए हैं।

स्कूल वैन के टायर के नीचे आने से तीन वर्षीय मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

हाथरस , एजेंसी। सहपऊ इलाके के गांव लोधई में बुधवार सुबह सात बजे एक तीन वर्षीय मासूम की स्कूल वैन के टायर के नीचे आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक मासूम अपने बड़े भाई को छोड़ने स्कूल वैन तक आया था। मासूम की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया, इधर वैन का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और शव को पोस्टमार्टम भेजने की तैयारी कर रही है। गांव लोधई में आगरा जनपद के गांव नगला हरदासी स्थित श्रीराम इंग्लिश मीडियम स्कूल की एक वैन रोजाना की तरह स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को लेने के लिए गांव में आई थी। इस स्कूल वैन से मृतक तीन वर्षीय सार्दिक का बड़ा भाई हार्दिक भी पढ़ने जाता था। सार्दिक अपने भाई के साथ-साथ स्कूल वैन के पास आया, भाई के वैन में बैठते ही ड्राइवर ने वैन को आगे बढ़ाया, उसी समय मासूम उसके पिछले टायर के नीचे आ गया।

कैबिनेट मंत्री ने शेखा झील पर पौधरोपण अभियान शुरू किया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के अंतर्गत जिले में भव्य पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन शेखा झील परिसर में किया गया।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबीरानी मौर्य, सांसद सतीश कुमार गौतम, एमएलसी डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो0 तारिक मंसूर, चौधरी ऋषिपाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विजय सिंह, महापौर प्रशांत सिंघल, विधायक कोल अनिल पाराशर, विधायक इगलास राजकुमार सहयोगी, भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, महानगर अध्यक्ष ई. राजीव शर्मा, छर्रा विधायक प्रतिनिधि ठा0 विकास सिंह, ब्लॉक प्रमुख पूजा दिवाकर, अरुण फौजी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी जिलाधिकारी संजीव रंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, पीडी भाल चन्द त्रिपाठी, डीपीओ के0 के0 रॉय व पर्यावरण प्रेमी सुबोधनन्दन शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत स्कूली बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से हुई। डीएफओ नवीन प्रकाश ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रदेश की मंत्री महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने कहा कि पेड़-पौधों का संरक्षण केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि समश्त जीव-जंतुओं और मानव जीवन की रक्षा है।

उन्होंने बच्चों से हाथ उठवाकर संकल्प दिलाया कि वे अपनी माँ के नाम एक पौधा अवश्य रोपित करें और उसे बड़ा करें। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि पौधरोपण को भावनात्मक रूप से जन-जन से जोड़ा जाए और यदि आवश्यक हो तो सख्ती भी की जाए। सांसद सतीश गौतम ने अधिक से अधिक पौधे लगाने व जनसहभागिता बढ़ाने का आव्हान किया। एमएलसी डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने पर्यावरण को महोत्सव की भावना से जोड़ने की बात कही और जल संकट के समाधान में वृक्षों की भूमिका को रेखांकित किया। एमएलसी चौधरी ऋषिपाल सिंह ने भारत को खनिजों व प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण बताया और इनके संरक्षण पर बल दिया। एमएलसी प्रो. तारिक मंसूर ने कहा कि यदि पर्यावरण को नहीं बचाया गया तो प्राकृतिक आपदाएं और बढ़ेंगी।

महापौर प्रशांत सिंघल ने अभियान को केवल नारा नहीं बल्कि माँ के सम्मान से जोड़ने वाली पहल बताया। विधायक कोल अनिल पाराशर ने इसे धरा को हरा-भरा करने का ऐतिहासिक दिन कहा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विजय सिंह, विधायक राजकुमार सहयोगी, जिला अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, महानगर अध्यक्ष ई. राजीव शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अभियान की प्रशंसा करते हुए पौध संरक्षण पर बल दिया।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी नवीन प्रकाश शाक्य ने बताया कि जिले में कुल 42,30,900 पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित है, विभाग के पास 59,55,549 पौधे उपलब्ध हैं। वन विभाग द्वारा 5,10,000 पौधे एवं अन्य विभागों द्वारा 37,20,900 पौधों का रोपण सुनिश्चित किया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे, सेंगर व नीम नदी के किनारे विशेष सुरक्षा व्यवस्था के साथ पौधरोपण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त पीएम आवास योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम व मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को कुल 2,31,536 पौधे वितरित किए जाएंगे। सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधा रोपित किया।

वन विभाग द्वारा तैयार कराया गया सेल्फी पॉइंट आकर्षण का केंद्र रहा, जहां सभी ने फोटो भी खिंचवाया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को चंदन का पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस आलीशान कोठी के निर्माण को लेकर राजदार से हुआ था विवाद...नीतू के नाम पर ये काम करना चाहता था छांगुर बाबा

बलरामपुर , एजेंसी। हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने बलरामपुर के रेहरामाफी गांव से उतरौला के मधपुर आकर अपना ठिकाना बनाया था। धर्म परिवर्तन की मुहिम को यहीं से तेज किया और एक डिग्री कॉलेज खोलने का खाका भी तैयार किया।

आलीशान आशियाना बनाने के साथ ही चारों तरफ मजबूत बाउंड्री बनवाई। करंट के तार भी दौड़ाए और पूरे क्षेत्र को कैमरों से भी सुरक्षित किया। छांगुर की कोठी को बिजली देने के लिए विशेष लाइन खींची गई थी। एक खंभा कोठी के अंदर ही लगा था।

इसके साथ ही 10 सीसीटीवी कैमरों से पूरे परिसर व बाहर की गतिविधियों की निगरानी की जा रही थी। ध्वस्तीकरण शुरू करने से पहले बिजली की लाइन हटाई गई। कोठी पर पुलिस टीम तैनात की गई। कमरों में कोई नही था। इससे ध्वस्तीकरण में कोई व्यवधान नहीं हुआ।

घरेलू सामग्री को पुलिस ने सुरक्षित निकाला: कोठी को गिराने से पहले पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में सर्च अभियान चलाया। कोठी से मिले घरेलू व अन्य सामग्री को सुरक्षित निकाला गया। उतरौला सीओ राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि किसी तरह से कोई नुकसान न हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया। केवल अवैध निर्माण को ही हटाया गया।

इसी कोठी के निर्माण को लेकर राजदार बब्बू से हुआ था छांगुर का विवाद: ध्वस्तीकरण की जद में आई कोठी के निर्माण से ही राजदार बब्बू उर्फ वसीउद्दीन से छांगुर का विवाद शुरू हुआ था। छांगुर ने मधपुर में अपना आशियाना और नीतू की कोठी के निर्माण का ठेका उतरौला के ही बब्बू को दिया था। बात 12 करोड़ पर हुई और निर्माण पर 12 करोड़ खर्च करने का दावा बब्बू ने किया।

एटीएस ने जांच में भी उल्लेख किया है कि छांगुर ने बब्बू को 5.70 करोड़ ही दिए। बकाया राशि हड़पने के लिए उससे मारपीट की। इसकी रिपोर्ट उतरौला थाने में दर्ज हुई। इसके बाद बब्बू के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में भी एफआईआर दर्ज करा दी।

छांगुर प्रकरण में अब तक हुई कार्रवाई: धर्मांतरण के आरोप में एटीएस ने अगस्त 2024 में एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की। 10 आरोपी बनाए गए, जिसमें जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के बेटे महबूब और नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन को बीते 08 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। उसी दिन से छांगुर और नीतू उर्फ नसरीन भूमिगत हो गए। एटीएस ने छांगुर और नीतू को पांच जुलाई को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया।

छांगुर बाबा के खिलाफ ईडी ने दर्ज किया केस, विदेशी फंडिंग की करेगी जांच: हिंदू लड़कियों का अवैध तरीके से धर्मांतरण कराने वाले छांगुर बाबा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ईडी ने यूपी एसटीएफ की रिपोर्ट और यूपी एटीएस द्वारा छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज मुकदमे के आधार पर यह कार्रवाई की है। जल्द ईडी छांगुर बाबा और उनके सहयोगियों के करीब दो दर्जन बैंक खातों की जांच कर विदेशी फंडिंग के सुराग तलाशेगी।

बता दें कि एटीएस द्वारा दर्ज मुकदमे में छांगुर बाबा के करीबी नवीन घनश्याम रोहरा और नीतू रोहरा व अन्य के दो दर्जन से ज्यादा बैंक खातों का जिक्र किया गया है, जिनमें करोड़ों रुपये की रकम आई थी। साथ ही विदेशी खातों के जरिए भी लाखों रुपये का लेन-देन होने के प्रमाण मिले हैं। अब ईडी इनकी जांच करके पता लगाएगा कि यह फंडिंग कहां से हो रही थी। साथ ही, छांगुर बाबा और उनके करीबियों की चल-अचल संपत्तियों का पता लगाकर उन्हें जब्त किया जाएगा।

कृषकों की मांग के अनुरूप नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का भी किया जा रहा है वितरण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले में किसानों को उर्वरकों की सुचारु एवं पारदर्शी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और कृषि एवं सहकारिता विभाग सतत प्रयासरत है।

सहायक निबन्धक सहकारिता नागेंद्र पाल सिंह ने बताया कि 01 अप्रैल से 09 जुलाई के मध्य जिले में कुल 14,618 मीट्रिक टन उर्वरकों की आपूर्ति की गई, जिसमें 9,667 मीट्रिक टन यूरिया, 3,160 मीट्रिक टन डीएपी एवं 1,791 मीट्रिक टन एनपीकेएस शामिल है। उन्होंने बताया कि 04 जुलाई को डीएपी एवं एनपीके उर्वरकों का नवीन आवंटन किया गया है, जिसके क्रम में जिले की सभी सहकारी समितियों पर आवंटित उर्वरकों की निर्बाध आपूर्ति की जा रही है।

कृषकों को उर्वरकों का वितरण पूर्णतः पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत आधार कार्ड व खतौनी के सत्यापन के उपरांत पीओएस मशीन के माध्यम से टोकन प्रणाली द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही किसी भी समिति पर न तो अधिक मूल्य वसूला जा रहा है और न ही कोई अनावश्यक उत्पाद जबरन साथ में दिया जा रहा है।

नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी, जोकि इफको द्वारा उत्पादित हैं, की आपूर्ति भी कृषकों को उनकी मांग के अनुरूप ही की जा रही है। सहायक निबंधक सहकारिता ने कुछ समितियों के संबंध में प्रसारित भ्रामक तथ्यों के संबंध में स्पष्ट किया है कि सहकारी समिति सोमना नम्बर एक को अब तक 38 मीट्रिक टन डीएपी, 71.250 मीट्रिक टन एनपीकेएस एवं 198 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की जा चुकी है।

बी-पैक्स समिति जगनेर को 18 मीट्रिक टन यूरिया एवं 9 मीट्रिक टन एनपीकेएस की आपूर्ति की गई है। बरला समिति में मार्ग बाधित होने के कारण कुछ समय के लिए आपूर्ति प्रभावित रही थी, जिसे अब सुचारु कर लिया गया है।

वर्तमान में 9 मीट्रिक टन डीएपी एवं 9 मीट्रिक टन एनपीकेएस का आवंटन कर दिया गया है। बरला समिति के सचिव के संबंध में यह अवगत कराना आवश्यक है कि उनके पास तीन समितियों का प्रभार होने एवं एकमात्र कर्मचारी होने की स्थिति में, वह संबंधित तिथि को जिला सहकारी बैंक में आरटीजीएस की प्रक्रिया के लिए उपस्थित थे, जिसके कारण समिति अस्थायी रूप से बंद रही।

सहायक निबंधक सहकारिता ने कृषकों से अनुरोध किया है कि किसी भी प्रकार की असुविधा की स्थिति में संबंधित समिति सचिव अथवा जिला कृषि विभाग से संपर्क करें।

डंपर से टकराई बाइक, पिता-पुत्र की मौत; बेटे की दो माह पहले हुई थी शादी- बुझ गया कुल का चिराग

बस्ती , एजेंसी। बस्ती-बांसी मार्ग पर (हरदिया) चौराहे पर मंगलवार को बेकाबू डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान सेवानिवृत्त कानूनगो विद्याधर द्विवेदी (60) और प्रदूषण विभाग में कार्यरत उनके बेटे विवेक धर द्विवेदी (28) की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, रुधौली थानाक्षेत्र के पचारी खुर्द भितेहरा गांव निवासी विद्याधर द्विवेदी हर्रैया तहसील में राजस्व निरीक्षक पद पर तैनात थे। इसी साल 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने के बाद गांव में रहते थे। मंगलवार को सुबह अपने 28 वर्षीय बेटे विवेक धर द्विवेदी के साथ किसी काम से बाइक से बस्ती जा रहे थे। कोतवाली क्षेत्र के हरदिया चौराहा के पास अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित आगे चल रहे डंपर से टकरा गई। पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। काफी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। एसएचओ दिनेश चंद्र चौधरी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिवार के लोगों को सौंप दिया गया है। मृतक के भाई सुरेंद्र धर द्विवेदी की तहरीर के आधार पर डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है।

पिता-पुत्र की मौत से बुझ गया कुल का चिराग: स्थानीय लोगों ने बताया कि 30 अप्रैल को विवेक धर दुबे की शादी जनपद सिद्धार्थनगर के गोल्हौरा थाना क्षेत्र में हुई थी। वह भी प्रदूषण विभाग में संविदा पर नौकरी करते थे।

आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े थे गोरखनाथ मंदिर पर हमले के तार, मुर्तजा ने बांके से किया था जवानों पर हमला

गोरखपुर, एजेंसी। वैश्विक संस्था, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन भुगतान सेवाओं के जरिये आतंकवादियों को पैसों और उपकरणों की मदद के ताजे खुलासे से साल 2022 में हुए गोरखनाथ मंदिर पर हमले की याद ताजा हो गई।

इस दहशत भरी कार्रवाई में भी आतंकी फंड के इस्तेमाल का पता चला था। इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) से ऑनलाइन लेनदेन किया गया था।

बता दें तीन अप्रैल, 2022 की शाम सवा सात बजे गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात पीएसी जवानों पर आईएसआईएस की विचारधारा से प्रभावित आतंकी मुर्तजा अहमद अब्बास ने धारदार बांका से हमला कर दिया था। हमलावर मुर्तजा ने जवानों से हथियार छीनने का भी प्रयास किया।

मरने-मारने पर उतारू मुर्तजा ने बांके से वार कर दो जवानों को बुरी तरह जख्मी कर दिया। मौके पर पहुंचे दूसरे जवानों ने किसी तरह मुर्तजा को काबू में किया।

सुरक्षा में तैनात पीएसी के जवानों पर हमले के दौरान मुर्तजा ने बांका लहराते हुए व नारा-ए-तकबीर, अल्लाह हू अकबर के नारे भी लगाए।

4 अप्रैल, 2022 को इस मामले में गोरखनाथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, गोरखनाथ मंदिर की इस आधार पर तत्कालीन एडीजी गोरखपुर जोन अखिल कुमार ने मामले को आतंकी साजिश माना। अगले दिन तत्कालीन अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी ने एडीजी की बात की पुष्टि भी कर दी।

जांच आगे बढ़ी तो शुरू में मानसिक रूप से विक्षिप्त दिखने का मुर्तजा का नाटक भी पकड़ा गया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे मामले की गहनता से जांच के आदेश दिए।

एटीएस, एसटीएफ और अन्य खुफिया एजेंसियों ने मुर्तजा का नेटवर्क खंगालना शुरू किया तो उसकी यात्रा की फेहरिस्त काफी लंबी निकली। मुर्तजा कई बार कोयंबटूर, जामनगर, मुंबई, दिल्ली और नेपाल के लुंबिनी गया था।

जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि मुर्तजा न सिर्फ प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के संपर्क में था बल्कि उसे आर्थिक मदद भी दे रहा था।

जाकिर नाइक को करता था फॉलो

जांच के दौरान मुर्तजा अब्बासी के पास से कई दस्तावेज भी मिले थे। इससे ये पता चला था कि वो कट्टरपंथी जाकिर नाइक का फैन भी है। आईआईटी मुंबई से केमिकल इंजीनियरिंग करने वाले मुर्तजा के बैग से अरबी भाषा की मजहबी किताब और गोरखनाथ मंदिर का नक्शा मिला था। उसके लैपटॉप से कट्टरपंथी जाकिर नाइक के कई वीडियो मिले। मुर्तजा मुंबई और नेपाल के कई संदिग्ध लोगों से चैटिंग करता था।

आईएसआईएस का तरीका है लोन वुल्फ अटैक

मुर्तजा ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में जिस तरीके से आतंकी कार्रवाई की उसे लोन वुल्फ अटैक कहा जाता है। इसमें हमलावर भेड़िए की तरह अकेले किसी धारदार हथियार से हमला करता है। जानकार बताते हैं कि हमले का यह तरीका इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) का है।

एनआईए/एटीएस कोर्ट सुना चुकी है मौत की सजा

लखनऊ में एनआईए/एटीएस की विशेष अदालत ने 30 जनवरी, 2023 को गोरखनाथ मंदिर में हमले के दोषी मुर्तजा अब्बासी को मौत की सजा सुनाई। 60 दिन में सुनवाई पूरी करने के बाद विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने मुर्तजा को भारतीय दंड संहिता (तत्कालीन आईपीसी) की धारा 121 (भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना या युद्ध छेड़ने का प्रयास करना) और धारा 307 (हत्या का प्रयास) के तहत दोषी ठहराया था।

बॉक्सिंग डे टेस्टः

ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की अपनी प्लेइंग 11, ट्रेविड हेड हुए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के लिए मेजबान ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इस टीम में ट्रेविस हेड को खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया है। यह बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा जो ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा।

कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि उनकी टीम इस मुकाबले में दो बदलावों के साथ उतर रही है, जिसमें सैम कोन्टास नाथन मैकस्वीनी की जगह लेंगे और स्कॉट बोलैंड चोटिल जोश हेजलवुड की जगह पर खेलेंगे।

19 साल के कोन्टास के लिए यह खास पल होने जा रहा है क्योंकि इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने उनसे कम उम्र का टेस्ट डेब्यूटेंट साल 2011 में उतारा था। तब पैट कमिंस को 18 साल की उम्र में खेलने के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि कोन्टास ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा ओपनर होंगे और उस्मान ख्वाजा के साथ उनकी उम्र का अंतर काफी ज्यादा होगा।

वहीं, स्कॉट बोलैंड पिछले 18 महीने में भारत के खिलाफ एडिलेड टेस्ट मैच में बढ़िया वापसी करके अपनी गेंदबाजी की धार का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि जोश हेजलवुड की चोट के चलते ही उनकी तब वापसी हुई थी। एक बार फिर से बोलैंड टीम में अपनी काबिलियत साबित करने के लिए तैयार होंगे।

झउन्होंने एडिलेड टेस्ट में शानदार गेंदबाजी की थी, जिसमें कंगारूओं ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। बॉर्डर गावस्कर सीरीज के मौजूदा स्थिति की बात करें तो भारत ने पहला टेस्ट पर्थ में 295 रनों से जीता था। इसके बाद अगले पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर सीरीज बराबर की थी। तीसरा मैच बारिश से प्रभावित रहा और ड्रॉ रहा। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में खेला गया था। अब दोनों टीमें बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं।

चौथे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड

ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग

बुमराह ने 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए, अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी की

ICC टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	जसप्रीत बुमराह	इंडिया	904
2	कागिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	856
3	जोस हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	852
4	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	822
5	रविचंद्रन अश्विन	इंडिया	789
6	मैट हेनरी	न्यूजीलैंड	782
7	नाथन लायन	ऑस्ट्रेलिया	770
8	प्रभाथ जयसूर्या	श्रीलंका	768
9	नोमान अली	पाकिस्तान	759
10	रवींद्र जडेजा	इंडिया	755

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में 904 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर लिए हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले, भारत के लिए अश्विन ने इतने रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे। इन दोनों के अलावा कोई अन्य भारतीय यह कारनामा नहीं कर सका है।

अश्विन को इतने रेटिंग पॉइंट्स दिसंबर 2016 में मिले थे। बॉलिंग रैंकिंग में रबाडा दूसरे नंबर पर बुमराह ने अब तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीन शुरुआती मैचों में 21 विकेट लिए हैं। वे टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर बरकरार है। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा (856) इस समय दूसरे और ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड (852) तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, रविंद्र जडेजा को विकेट ना मिलने से नुकसान हुआ है और वे टॉप 10 से बाहर हो गए हैं।

केएल राहुल को 10 स्थान का फायदा एडिलेड में शतक के बाद गाबा में 152 रन की शानदार पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड 825 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि तीसरे टेस्ट में उनके हमवतन स्टीव स्मिथ के शतक ने उन्हें एक बार फिर टॉप-10 में पहुंचा दिया है।

एक ही टीम में भारत-पाकिस्तान के ये खिलाड़ी, अभिषेक शर्मा बने कप्तान, पाक के दो प्लेयर्स को मिली जगह

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट में अलग-अलग देशों की क्रिकेट टीमों के अलग-अलग खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करके विश्व क्रिकेट में अपने नाम का डंका बजाया है. इसमें भारत के अभिषेक शर्मा-नीतीश कुमार रेड्डी से लेकर पाकिस्तान के सैम अयूब और इंग्लैंड के जैकब बेथेल तक का नाम शामिल है. हम आपके लिए साल 2024 के उन युवा और नए सितारों की बेस्ट प्लेइंग इलेवन लेकर आए हैं जिन्होंने इस साल इंटरनेशल क्रिकेट में धमाल मचाया.

साल 2024 की बेस्ट प्लेइंग इलेवन के कप्तान के तौर पर भारत के अभिषेक शर्मा चुने गए हैं. वे ओपनर भी हैं. वहीं उनके बैटिंग पार्टनर हैं पाकिस्तान के सैम अयूब. इसके बाद नंबर तीन पर इंग्लैंड की नई सनसनी 21 वर्षीय जैकब बेथेल हैं. नंबर चार पर भारत के आईपीएल स्टार रियान पराग और पांच पर पाकिस्तान के कामरान गुलाम को जगह मिली है. विकेटकीपर के रूप में इंग्लैंड के 24 वर्षीय के जेमी स्मिथ शामिल हुए. बतौर ऑल राउंडर भारत के नीतीश कुमार रेड्डी 7वें नंबर पर हैं. वहीं गेंदबाजों के रूप में आठवे नंबर पर अफगानिस्तान के अल्लाह गजनफर. नौवें नंबर पर न्यूजीलैंड के विलियम ओरुर्के, 10वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के 18 वर्षीय क्वेना मफाका और इस प्लेइंग इलेवन के अंतिम खिलाड़ी इंग्लैंड के शोएब बशीर हैं.

ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे हैः शास्त्री

मेलबर्न, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो।

भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा। शास्त्री से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है। उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

भारत सीरीज में 1-1 से बराबर है और उस आदमी (बुमराह) ने अकेले ही भारत को उस स्थिति में पहुंचा दिया है। जहां तक कोंस्टास की बात है, मुझे लगता है कि वह बहुत तरोताज़ा है। उसके पास प्रतिभा है, वह शानदार है। लेकिन टेस्ट क्रिकेट तो टेस्ट क्रिकेट है। मुझे लगता है कि उसकी तकनीक और बेहतर होगी और वह ऑस्ट्रेलिया का भविष्य बनेगा। शास्त्री ने कहा, मैकस्वीनी बहुत बदकिस्मत था। मुझे लगा कि उसने कड़ी मेहनत की है, लेकिन वह एक मध्यक्रम का बल्लेबाज है। मैं उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम के श्रीलंका जाने पर वहां जाते हुए देखता हूं और वहां से अपना करियर फिर से बनाता हूं । लेकिन मुझे लगता है कि कोंस्टास को शामिल करना एक अच्छा कदम है, क्योंकि आपको किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो भारतीय टीम पर आक्रमण कर सके, क्योंकि प्रहार कहीं से भी आ रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतेगा, इससे पहले 2018/19 और 2020/21 में भी भारत ने यहां जीत दर्ज की थी। बहुत बढ़िया। लंबे समय से किसी भी टीम ने ऐसा नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया जब भी यहां आता है, तो वह टीमों पर भारी पड़ता है। भारत के लिए लगातार तीन सीरीज जीतना कुछ खास होगा।

लेकिन उन्हें अच्छा क्रिकेट खेलना होगा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया इस टेस्ट मैच में कड़ी टक्कर देगा, खासकर गेंदबाजों के साथ। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती बल्लेबाजी होगी। भारत यहां जीतने के लिए आया है, वह यहां नंबर बढ़ाने के लिए नहीं आया है। जब मैं कोच था, तब भी हमारा मंत्र बेहद कड़ी मेहनत, निष्पक्षता और जीत हासिल करना था। आपको ऑस्ट्रेलिया को हराने का तरीका सोचना होगा, न कि सिर्फ प्रतिस्पर्धा करना। आपको सही तरीके से योजना बनानी होगी कि अपने 20 विकेट कैसे लें। भारत ने ऐसा किया है और बहुत आक्रामक रहा है।

शास्त्री ने कहा, वे ऑस्ट्रेलिया के सामने हैं और जितना हो सके उतना अच्छा प्रदर्शन किया है। यह मनोरंजक और जोशपूर्ण रहा है। भारत आगे है। मुझे लगता है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट का पहला दिन तय करेगा कि सीरीज किस तरफ जाएगी। रविचंद्रन अश्विन के अचानक अंतरराष्ट्रीय संन्यास के बाद, शास्त्री ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम के बल्लेबाजी विभाग में जल्द ही नए चेहरे आएंगे। बल्लेबाजी विभाग में, मैं एक या दो साल में कुछ नए चेहरे देख सकता हूं। जायसवाल युवा हैं। शुभमन गिल काफी युवा हैं, ऋषभ पंत अभी भी बहुत युवा हैं। मिश्रण में काफी अन्य खिलाड़ी हैं जो बहुत जल्द आ सकते हैं।

मनु भाकर विवाद के बीच अब इस खिलाड़ी का दावा, खेल रत्न पुरस्कार में किया जा रहा भेदभाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए मनु भाकर के नाम की सिफारिश नहीं किए जाने पर मचे बवाल में अब पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह की एंट्री हो गई है।

उन्होंने मंगलवार को खेल पुरस्कार देने में भेदभाव का आरोप लगाया है। पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले हरविंदर सिंह ने सवाल किया कि टोक्यो खेलों की तरह इस साल के खेलों में पदक जीतने वालों को खेल रत्न सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा। हरविंदर ने इससे पहले टोक्यो खेलों में कांस्य पदक जीता था। इस बार उन्होंने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

खेलों में भेदभाव

हरविंदर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, खेलों में भेदभाव। उन्होंने कहा, टोक्यो 2020 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया लेकिन पेरिस 2024 पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं का क्या? वही प्रतियोगिता, वही स्वर्ण, वही गौरव - वही पुरस्कार क्यों नहीं? टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा, भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के साथ खेल रत्न से सम्मानित किया गया था।

कोंस्टास दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि वह अच्छे हैं: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है, उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह अच्छे हैं। 19 वर्षीय कोंस्टास गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, उन्हें नाथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है।

2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री 11 की ओर से खेलते हुए शतक बनाया था। कोंस्टास ने 11 प्रथम श्रेणी मैचों में 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, मैंने बहुत कुछ देखा है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वहां बहुत प्रतिभा है। जिस तरह से उन्होंने पीएम 11 मैच में खेला (उन्होंने भारतीयों के खिलाफ 107 रन बनाए), जिस तरह से वह उस रात अपने पहले बीबीएल गेम

में खेलने में सक्षम थे। मुझे पता है कि यह अलग-अलग प्रारूप हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि प्रतिभा वहां है और इसके साथ थोड़ा रवैया भी है। यह कोई बुरा रवैया नहीं है, (लेकिन) ऐसा रवैया है कि वह जानता है कि वह अच्छा है और वह दुनिया को दिखाना चाहता है कि वह अच्छा है। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ कोंस्टास के सामने आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, अभी भी एक चुनौती है। यह एक टेस्ट मैच है।

यह आपका पहला टेस्ट मैच है। आप दुनिया के कुछ बेहतरीन गेंदबाजों के खिलाफ खेल रहे हैं। विश्व क्रिकेट में शायद इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं है। यह किसी भी अन्य देश की तरह है जो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में पदार्पण कर रहा है, जब आपके पास स्टार्क, कमिंस और हेजलवुड हैं।

बुमराह निश्चित रूप से इस समय टेस्ट क्रिकेट में सबसे अलग और शायद अग्रणी तेज गेंदबाज रहे हैं। इसलिए कोंस्टास के लिए वहां एक बड़ी चुनौती होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

एशियाड स्वर्ण पदक विजेता एथलीट हिमा दास पर 16 माह का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था। नाडा की टीम तीन बार उनके दिए पते पर सैंपल लेने पहुंची, लेकिन तीनों ही बार वह नहीं मिलीं।

जकार्ता एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली देश की स्टार एथलीट हिमा दास पर व्हेयर अबाउट फेल्योर (टेस्ट के लिए ठिकाने का पता नहीं बताना) के लिए 16 माह का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर यह प्रतिबंध 22 जुलाई, 2023 से लगाया गया है। विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) और राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने हिमा पर मामले के आपसी समाधान समझौते के तहत यह प्रतिबंध लगाया है। वरना उन पर दो वर्ष का भी प्रतिबंध लग सकता था। हालांकि इस प्रतिबंध की अवधि इस वर्ष 22 नवंबर को समाप्त हो गई है।

हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था।

235 रन ठोकने वाले केएल राहुल को ओपनिंग से हटाया

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः

नईदिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल अब ओपनिंग नहीं करेंगे? टीम में गिल की पोजिशन भी छिन जाएगी? बेशक इन बातों पर आप यकीन करें या नहीं, लेकिन जो उड़ती-उड़ती खबर आ रही है, वो ऐसा होने के संकेत दे रहे हैं. खबरों के मुताबिक, मेलबर्न में खेले जाने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट में केएल राहुल, सीरीज के पिछले 3 टेस्ट की तरह पारी की शुरुआत नहीं करते दिख सकते हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि स्प्त्न पर यशस्वी जायसवाल के साथ रोहित शर्मा के ओपन करने की खबरें

चल रही हैं. वहीं केएल राहुल को लेकर कहा जा रहा है कि वो नंबर तीन पर बैटिंग कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक नंबर 3 पर शुभमन गिल खेलते दिख रहे थे. लेकिन, मेलबर्न में राहुल के नंबर तीन पर खेलने की खबर का मतलब है कि गिल से उनकी पोजिशन का छिन जाना. शुभमन गिल हो सकता है तब नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते दिखें. वैसे, इससे उतना फर्क नहीं पड़ने वाला जितना असर केएल राहुल को ओपनिंग से हटाकर दिखने वाला है. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ से ब्रिसबेन तक खेले पहले 3 टेस्ट में केएल राहुल ने हरेक में पारी की शुरुआत यानी कि ओपनिंग की है. इन 3 टेस्ट की 6 पारियों में 47 की औसत से उन्होंने 235 रन बनाए हैं. ऐसा कर वो मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. वहीं, सीरीज में ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में वो ट्रेविस हेड के बाद दूसरे नंबर के बल्लेबाज हैं.

अब जैसी की खबरें हैं कि केएल राहुल नंबर 3 पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में खेल सकते हैं, तो आइए जान लेते हैं कि इस पोजिशन पर टेस्ट में उनका रिकॉर्ड कैसा है? राहुल ने नंबर पर कुल 5 पारियां खेली हैं, जिसमें उन्होंने 17.60 की औसत से 88 रन बनाए हैं. ये टॉप के किसी भी बैटिंग ऑर्डर पर उनका सबसे बेकार रिकॉर्ड तो है ही.